पटना ●शनिवार, 06 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः175 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर
"खबरों से समझौता नहीं"

सदर एसडीओ ने किया सुगौली अंचल... 3 | www.bordernewsmirror.com | कोटेशन गैंग का ट्रेलर... 8

अयोध्या राम मंदिर में 25 और मूर्तियां लगेंगी

● शेषावतार, सप्तऋषि और तुलसीदास की मूर्ति शामिल ● दिसंबर तक मंदिर निर्माण पूरा करने की कोशिश जारी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के रामलला मंदिर में 25 और मूर्तियां लगेंगी। इसमें श्रीराम दरबार, सप्तऋषि, शेषावतार और कुछ अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां शामिल हैं। ये मूर्तियां फर्स्ट फ्लोर पर स्थापित की जाएंगी। रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की एक बड़ी मूर्ति भी लगाई जाएगी, हालांकि इसका स्थान अभी तय नहीं है। ये जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। शुक्रवार को उन्होंने बताया- राम मंदिर 221 फीट ऊंचा होगा। मंदिर का मुख्य शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। इस पर 50 मीटर ऊंचा ध्वज दंड लगेगा। यह दंड गुजरात से तीन महीने पहले अयोध्या लाया गया है। ट्रस्ट की कोशिश है कि राम मंदिर दिसंबर, 2024 तक बनकर तैयार हो जाए। साथ में पूरे मंदिर परिसर का निर्माण 2025 के अंत तक पूरा कर लिया जाए। चंपत राय के अनुसार, राम मंदिर का निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। निर्माण में अब तक तीन लाख घन फीट पत्थर का इस्तेमाल हो चुका है। करीब सवा लाख घन फीट पत्थर अभी और लगेंगे। मंदिर निर्माण में बरसात से

कितनी बाधा आ सकती है, निर्माण तेज करने के लिए कितने मजदूरों की जरूरत पड़ेगी। इस पर आज भवन निर्माण समिति की बैठक में मंथन हो रहा है। चंपत राय से सवाल पूछा गया कि रामलला के शेष दो मूर्तियां कहां स्थापित होंगी। जवाब में उन्होंने कहा- वो ट्रस्ट की संपत्ति है।

तय समय पर पूरा हो निर्माण मंदिर ट्रस्ट कर रहा मंथन

मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र ने बताया- राम मंदिर का निर्माण समय से और गुणवत्ता के साथ हो रहा है। इससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, हम इसका हमेशा ध्यान रखते हैं। रोज इसकी समीक्षा की जाती है। राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर 90 फीसदी बन गया है। सेकेंड फ्लोर का काम भी 70 फीसदी पूरा हो चुका है। सेकेंड फ्लोर पर 74 स्तंभों में से 60 स्तंभ स्थापित किए जा चुके हैं। परिसर में 800 मीटर लंबा परकोटा भी बन रहा है। परकोटे में छह मंदिरों का भी निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा परिसर में सप्त मंडपम की भी स्थापना की जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र का काम पूरा हो गया है। यहां 25 हजार श्रद्धालु बैठ सकेंगे। 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन हुआ था।

165 नई अमृत भारत ट्रेनें चलाने की तैयारी में रेलवे

130 की रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पुश-पुल तकनीक की 165 अमृत भारत ट्रेन चलाने जा रही है। इनमें स्लीपर व जनरल कोच होंगे। मेल-एक्सप्रेस ट्रेन में भी भारी संख्या में स्लीपर व जनरल श्रेणी के कोच लगाने की तैयारी है। रेलवे बोर्ड ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 में लगभग

10,000 स्लीपर व जनरल श्रेणी के कोच उत्पादन योजना को मंजूरी दे दी है। 2024-25 में 4485 जनरल कोच व स्लीपर कोच का उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। जबकि अगले वित्तीय वर्ष में इसकी संख्या बढ़ाकर 5,444 की गई है। रेलवे बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में अमृत भारत के 1181 जनरल व स्लीपर कोचों का उत्पादन किया जाएगा।

पहले मीडिया में दिया था बयान अब माफी मांगी

● एससी की गरिमा कम करने का कभी कोई इरादा नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रमुख डॉ. आरवी अशोकन ने अपनी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। मामला सुप्रीम कोर्ट की तरफ से की गई टिप्पणी के संबंध में एक इंटरव्यू के दौरान अपने द्वारा दिए गए बयान से जुड़ा है। उन्होंने इस संबंध में बृहस्पतिवार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने

कहा कि वह अपने वक्तव्य के लिए खेद व्यक्त करते हैं। उनका न्यायालय की गरिमा को कम करने का कभी कोई इरादा नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने जिस मामले में सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी उसमें आईएमए एक पक्ष थी। डॉक्टरों के संगठन की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया कि आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर आरवी अशोकन ने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से की गई टिप्पणी के संबंध में माफी मांग ली है।

पूर्व एयरफोर्स चीफ बोले- सेना को राजनीति में घसीटना गलत

● अग्निवीर को लेकर राहुल ने झूठ बोला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व एयरफोर्स चीफ और भाजपा नेता आरकेएस भदौरिया ने गुरुवार को कहा कि सेना को राजनीति में घसीटना गलत है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शहीद अग्निवीर के परिवार को मुआवजा नहीं मिलने के दावे को झूठा बताते हुए कहा कि राहुल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और देश से माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा था कि शहीद अग्निवीर के परिवारों को 1 करोड़ रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाते हैं। इस पर नेता

प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को एक वीडियो जारी कर कहा था- राजनाथ झूठ बोल रहे हैं। लुधियाना के शहीद अग्निवीर के पिता ने कहा कि उन्हें मुआवजा नहीं मिला। राहुल गांधी के दावे के बाद सेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि शहीद के परिवार को 98 लाख रुपए दिए जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार सुबह शहीद के पिता ने भी बात मानी की उन्हें 98 लाख रुपए मिल गए हैं। इसे लेकर आरकेएस भदौरिया ने कहा- अग्निवीर योजना एक अच्छी योजना है और इसे लंबी चर्चा के बाद लाया गया है। भारतीय सेना को इस तरह की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए। यह संवेदनशील मुद्दा है।

शिवसेना नेता पर कातिलाना हमला

● निहंगों ने तलवार से किए कई वार

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में शिवसेना टकसाली नेता संदीप थापर उर्फ गोरा पर निहंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक तीन निहंगों ने सिविल अस्पताल के बाहर उनपर तलवार से कई वार किए और इसके बाद वे फरार हो गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक संदीप थापर शुक्रवार की सुबह संवेदना ट्रस्ट के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अस्पताल गए थे।

चुनावी नतीजों के बाद अब भाजपा में होगा बड़ा बदलाव

यूपी के नतीजों ने पार्टी हुई ऐक्टिव, राज्य सरकारों में फेरबदल के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद हो रही विभिन्न राज्यों की समीक्षा बैठकों में भाजपा के मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ आवाज उठी है। संगठन के तौर तरीकों, मंत्रियों के व्यवहार और टिकट वितरण को भी प्रतिकूल नतीजों की वजह बताई गई है।

दूसरे दलों से आए नेताओं को ज्यादा तरजीह देने से मूल काडर की नाराजगी भी जाहिर हुई है। ऐसे में पार्टी के भीतर बड़े बदलावों को लेकर दबाव बढ़ने लगा है। बीते दो लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल कर रही भाजपा को इस बार सहयोगी दलों के सहारे बहुमत के आंकड़े तक पहुंचना पड़ा है। भाजपा का अपना प्रदर्शन खराब रहा और उसकी 63 सीटें घट गई। सबसे ज्यादा झटका उत्तर प्रदेश में लगा, जहां उसकी सीटों और वोटों में भारी गिरावट आई है। भाजपा का वोट पिछले चुनाव के 49.98 फीसदी से घटकर 41.37 फीसद रह गया है, वहीं सीटें 62 से घटकर 33 रह गई। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की समीक्षा बैठक में पार्टी के कई नेताओं ने राज्य से लेकर केंद्र तक की कई खामियों को उजागर किया है। साथ ही तत्काल प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि हार के कारण साफ हैं। अभी से उन कमियों को सुधारा जाना चाहिए, जिनसे प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

आ गई न्यू डेट! नीट पीजी एग्जाम 11 अगस्त को

● गड़बड़ी की आशंका के बाद 22 जून को स्थगित हुआ था, पेपर 2 घंटे पहले तैयार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने नीट-पीजी 2024 परीक्षा की नई तारीख का ऐलान कर दिया है। बोर्ड के मुताबिक परीक्षा 11 अगस्त को आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा 23 जून को होने वाली थी। अधिकारियों ने कुछ चिंताओं का हवाला देकर इसे 22 जून की रात को रद्द कर दिया था। पेपर लीक से हर सवाल को सॉल्व करने के लिए कुछ मिनटों का फिक्स टाइम ही मिलेगा। इसका मतलब ये है कि किसी सवाल को सॉल्व करने के लिए कोई कैंडिडेट कितना समय दे सकता है ये पहले से ऑटोमैटिक मोड पर सेट होगा। 2024 से ही नए पैटर्न पर एग्जाम होगा। नीट-पीजी एग्जाम में हर सही जवाब के लिए 4 मार्क्स मिलते हैं और गलत जवाब के लिए 1 मार्क

जुड़े मुद्दे पर हंगामे के बीच परीक्षा की तारीखों का ऐलान छात्रों के लिए राहत की खबर है। ताजा अपडेट के मुताबिक नीट-पीजी 2024 परीक्षा अब 11 अगस्त 2024 को दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। नीट दो शिफ्ट के शेड्यूल के बारे में ज्यादा जानकारी जल्द साझा करेगा। जिसे आप बोर्ड की वेबसाइट से हासिल कर सकते हैं। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन फॉर मेडिकल साइंसेज ने नीट-पीजी एग्जाम के पैटर्न में बदलाव किया है। एग्जाम में 200 एमसीक्यू टाइप सवाल पूछे जाते हैं। अब की नेगेटिव मार्किंग होती है। टोटल 3.5 घंटे में क्वेश्चन पेपर सॉल्व करना होता है। ये टेस्ट नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज कंडक्ट करता है। इसके जरिए नीट स्टूडेंट्स देश के टॉप मेडिकल कॉलेजों में मास्टर ऑफ सर्जरी और एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) जैसे कोर्सेज में एडमीशन ले सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 22 जून को नीट पीजी एग्जाम पोस्टपोन कर दिया। ये एग्जाम 23 जून को होना था। 9 दिनों में एनटीए की तीन बड़ी परीक्षाएं कैंसिल हुई थीं।

छत्तीसगढ़ में जहरीली गैस के रिसाव से 9 की मौत

कुएं में गिरे 2 लोग, बचाने में गई 7 की जान, जांजगीर-कोरबा में हादसा

जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा और कोरबा में दो अलग-अलग घटनाओं में शुक्रवार को कुएं में डूबने से 9 लोगों की मौत हो गई। दोनों ही हादसे कुएं में गिरे ग्रामीणों को बचाने की चक्कर में हुए है। बताया जा रहा है कि दोनों ही मामलों में मौत का कारण जहरीली गैस का रिसाव है। जांजगीर-चांपा में हुए हादसे में पिता-दो पुत्रों सहित 5 की मौत हुई है। जबकि कोरबा में पिता-पुत्री और दो अन्य लोगों की जान गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। एनडीआरएफ की टीम को भी

मौके पर पहुंच गई। उनकी मदद से सभी शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। जांजगीर-चांपा में शवों को कुएं से निकाल लिया गया है। सुबह करीब 7.30 बजे एक व्यक्ति को बचाने के चक्कर में लोग कुएं के अंदर एक के बाद एक व्यक्ति उतरते गए। जांजगीर-चांपा में शवों को कुएं से निकाल लिया गया है। सुबह करीब 7.30 बजे एक व्यक्ति को बचाने के चक्कर में लोग कुएं के अंदर एक के बाद एक व्यक्ति उतरते गए।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

● 7 दिन में मांगा जवाब, दिल्ली सीएम से पूछा-सीधे हाईकोर्ट क्यों पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल की बेंच ने शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के केस में सीबीआई से 7 दिन में जवाब मांगा है। कोर्ट ने दिल्ली सीएम से भी यह सवाल किया कि ट्रायल कोर्ट में अपील करने की जगह वे सीधे हाईकोर्ट क्यों पहुंचे। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं। दिल्ली सीएम शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल ने सीबीआई केस में जमानत के लिए याचिका 3 जुलाई को लगाई थी।

मणिपुर में हिंसा के बाद बाढ़ से भीषण तबाही

● अब तक 20 हजार लोगों का पलायन, 3500 से ज्यादा मकान ढहे

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर बीते एक साल से ज्यादा वक्त से हिंसा की चपेट में था। वहीं अब भारी बारिश और बाढ़ राज्य में तबाही मचा रही है। बाढ़ की वजह से कम से कम 3500 मकान ढह गए वहीं 20 हजार से ज्यादा लोगों को अपने घर-बार छोड़कर पलायन करना पड़ा। बीते चार दिनों में बाढ़ ने राज्य में जमकर कहर बरपाया है। राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 20,639 लोगों ने पलायन किया है। वहीं 1251 लोगों ने राहत शिविरों में शरण ले रखी है। राज्य में कुल 14 राहत शिविर खोले गए हैं। बाढ़ की वजह से राज्य में खेती को भी काफी नुकसान

हुआ है। वहीं कई जगहों पर भूस्खलन की वजह से जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। राज्य में 49 जगहों पर भूस्खलन की खबरें सामने आई हैं। सेनापति जिले की सेनापति नदी के तेज बहाव में खाबुंग कारोंग गांव के एक डॉक्टर बह गए। बाद में उनका शव बरामद किया गया। वहीं एक 17 साल का लड़का नदी में बह गया जिसका शव भी नहीं मिल सका। इंफाल नदी के किनारे के इलाके में बांधों का निर्माण किया गया था इसके बावजूद बाढ़ इतनी भयंकर थी कि खेती लायक बड़ा इलाका कट गया।

जीत के बाद रुकना नहीं चाहते हैं राहुल गांधी

● हाथरस में पीड़ितों से मिलकर दे दिया है बड़ा संदेश ● अलीगढ़ के एक गांव में भी पीड़ितों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नई भूमिका के बाद से राहुल गांधी के तेवर बदले-बदले से हैं। एकदम आक्रामक। मोदी सरकार पर उनके हमलों में एक अलग ही धार दिख रही। पेपरलीक, अग्निवीर, महंगाई जैसे युवाओं और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर वह लगातार सरकार को घेर रहे हैं। संसद में उनका बेहद आक्रामक तेवर दिखा। ये बात अलग है कि सरकार उन पर भ्रामक दावों के जरिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगा रही है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित राहुल गांधी रुकना नहीं चाहते। शुक्रवार सुबह-सुबह वह हाथरस के लिए रवाना हो गए। रास्ते में अलीगढ़ के पिलखना गांव में पहुंचकर हाथरस भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात की। उनके जख्मों पर मरहम लगाने की कोशिश की। उसके बाद वह हाथरस

पहुंचे और पीड़ित परिवारों से उनका दर्द जाना। हाथरस में राहुल गांधी का एक अलग ही अवतार सामने आया। एक संवेदनशील राजनेता की। एक ऐसे नेता की जिसे अपने बीच पाकर पीड़ित उसके कंधे पर सिर रखकर बेजार रो सकें। एक ऐसा नेता जिससे गले लिपटकर अपना गम सुना सके।

'भोले बाबा' की तलाश में आश्रम पहुंची एसआईटी

लग्जरी गाड़ियां ले गई साथ, मधुकर के लिए छापेमारी

मैनपुरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में 121 लोगों की भगदड़ में मौत के मामले में एजेंसियों ने मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर को पकड़ने के लिए पड़ोसी राज्यों राजस्थान और हरियाणा में छापेमारी शुरू कर दी है। इसके साथ ही शासन के निर्देश पर बनी एसआईटी ने बाबा के मैनपुरी आश्रम पहुंची है। यहां खड़ी दो लग्जरी गाड़ियां पुलिस अपने साथ ले गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमाम एजेंसियां पूछताछ के लिए प्रवचनकर्ता सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा की भी तलाश कर रही हैं। हाथरस जिले के फुलराई गांव में दो जुलाई को 'भोले बाबा' के सत्संग के बाद मची भगदड़ में कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें अधिकतर महिलाएं थीं। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में नामजद

आरोपी के तौर पर सिर्फ मुख्य सेवादार मधुकर का नाम है और सूरजपाल का नाम दर्ज नहीं किया गया है। यह प्राथमिकी हाथरस के सिकंदराराऊ पुलिस थाने में दर्ज की गई जिसमें मधुकर के अलावा कई अज्ञात आयोजकों को भी आरोपी बनाया गया और मामले में अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए है जरूरत : प्राचार्य

गया, एजेंसी। जगजीवन कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गुरुवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्येंद्र प्रजापति ने कहा कि जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरूरत है। जल जंगल और जमीन तीनों उसके प्रमुख आधार है। विकास की मौजूदा मॉडल की विफलता यह जीवन के इन तीनों आधार को प्रदूषण ने लील लिया है। यह वजह है कि आज देश की आजादी का बड़ा हिस्सा स्वच्छ व सुरक्षित पानी शौचालय और शुद्ध हवा जैसे मुलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित है। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार, डॉ. आचार्य शंकर, डॉ. दीनानाथ और डॉ. अनु रानी आदि रहे।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि मनायी

गया, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गया महानगर ने गुरुवार को स्वामी विवेकानंद जी के पुण्यतिथि मनायी। मंत्री विनायक कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी आधुनिक भारत के महान चिंतक, महान देशभक्त, दार्शनिक, युवा सन्यासी व आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने सनातन संस्कृति के दिव्यतम आदर्शों को और भी विश्वव्यापी बनाया। बिहार प्रदेश के विशेष आमंत्रित सदस्य सूरज सिंह ने कहा उनकी शिक्षाएं लाखों लोगों को शक्ति प्रदान करती हैं। इस मौके पर आलोक कुमार, अजीत कुमार, अमरजीत कुमार, शिवम कुमार, आकाश कुमार,सागर कुमार,दीपक कुमार,शिवम कुमार व,दिव्यांश कुमार आदि मौजूद रहे।

चचेरे भाई के साथ ब्राउन शुगर की तस्करी करता था दिलशाद

भागलपुर, एजेंसी। तातारपुर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए अभियुक्त दिलशाद ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह अपने चचेरे भाई इजहार के साथ मिलकर ब्राउन शुगर की तस्करी करता है। दिलशाद को गुरुवार को पुलिस ने कोर्ट में प्रस्तुत किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने शहादत हुसैन लेन के रहने वाले दिलशाद को 149.68 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया था। उसके पास से पुलिस ने दो वेट मशीन, स्टील का एक प्लेट, दो मोबाइल, सिल्वर फॉयल पेपर और नगद 1290 रुपये बरामद किया है। उसने यह भी बताया है कि वह और उसका चचेरा भाई पश्चिम बंगाल से ब्राउन शुगर लाता था और शहरी क्षेत्र में बिक्री करता था।

नाथनगर बीडीओ पर प्रपत्र 'क की अनुशंसा

नाथनगर/भागलपुर , एजेंसी। नाथनगर की बीडीओ अंतिमा कुमारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए सदर एसडीओ ने आरोपपत्र का गठन कर (प्रपत्र-क) साक्ष्य सहित उप विकास आयुक्त को भेजा है। आरोप पत्र में तीन बिंदुओं का जिक्र किया गया है। उन पर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, उच्चाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करने और अनुशासनही का आरोप है। डब्ल्यूपीयू निर्माण में गोलमोल जानकारी देने का भी आरोप है। प्रखंड प्रमुख ने शिकायत किया था कि एक जुलाई को पीएम आवास योजना की बैठक में अनुपस्थित रहीं और किसी को प्रतिनिधि के रूप में भी नहीं भेजा। एसडीओ ने तीन कॉपी में आरोपपत्र डीडीसी को दिया है।

बालू घाटों पर छापेमारी के दौरान दो ट्रेक्टर जब्त, दो गिरफ्तार

गया, एजेंसी। शेरघाटी में बालू के अवैध उत्खनन और इसकी ढुलाई को रोकने के लिए बालू घाटों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक शेरघाटी में मोरहर और बुढ़िया नदी के विभिन्न घाटों से बालू के गैरकानूनी ढंग से उठाव की सूचना पर पुलिस कार्रवाई के दौरान पिछले दो हफ्तों के दौरान जहां दो ट्रैक्टरों को जब्त किया गया है, वहीं दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई है। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने बताया कि बुढ़िया नदी के घाघर घाट से बालू का उठाव कर भाग रहे एक ट्रैक्टर को 1 जुलाई को शेखपुरा के समीप जब्त किया गया था और उसके चालक गणेशी मांझी सहित दो व्यक्तियों को गिरफ्तार भी किया गया था। इससे पूर्व मोरहर नदी के पलकिया घाट से बालू के उठाव की सूचना पर पहुंची पुलिस की धंधेबाजों के साथ भिड़ंत भी हो गई थी। तब बालू लेकर भाग रहे ट्रैक्टर को बदमाशों ने छुड़ा लिया था, मगर पुलिस ने फिर बनियाडीह गांव के पास भागते हुए ट्रैक्टर को जब्त कर थाने लाया।

बिहार में धड़ाधड़ गिर रहे ब्रिज, राजधानी पटना में सभी पुल-पुलियों का रख-रखाव है भगवान भरोसे

पटना, एजेंसी। बिहार में इन दिनों एक के बाद एक धड़ाधड़ पुलों के गिरने की घटनाएं हो रही है। 15 दिनों के भीतर अररिया, सीवान, छपरा, मोतिहारी समेत कई जिलों में 10 पुल टूट चुके हैं जिसे लेकर काफी राजनीति हो रही है। सीएम नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के हमले के बाद बीजेपी प्रवक्ता की भी टिप्पणी आ चुकी है। उसके बाद भी राजधानी पटना में ही पुलों का रखरखाव बेहतर ढंग से नहीं हो रहा है। पटना में आरडब्लूडी और आरसीडी के पुल-पुलियों और क्लवर्ट की संख्या 3389 हैं, लेकिन इसके रखरखाव को लेकर क्या कुछ करना है इसकी कोई नीति नहीं है। यानी पटना में पुल-पुलियों का रख-रखाव भगवान भरोसे है। पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन जो पुल हैं उसकी देखभाल पांच वर्षों तक निर्माण एजेंसी को करनी है, लेकिन इसके बाद पुलों की मरम्मत कैसे होगी इसके लिए फिलहाल कोई नीति निर्धारित नहीं है। इस वजह से पुलों को सही देखभाल नहीं हो पा रही है। हालांकि, संबंधित विभाग के अभियंता पुलों का निरीक्षण करते हैं और जहां आवश्यकता होती है वहां मरम्मत कराई जाती है। इस तरह की मरम्मत कराई भी गई है। पटना जिला में ग्रामीण कार्य विभाग के 2781 छोटे-बड़े पुल हैं। जिले में पथ निर्माण विभाग की ओर से बनवाए गए 608 पुल, पुलिया, ह्यूमन पाइप क्लवर्ट और बॉक्स क्लवर्ट के जरिए भी आवगमन होता है जिससे जिले के विभिन्न इलाकों को जाया जा सकता है।

भौतिक सत्यापन के आधार पर पुलों की होती है मरम्मत

आरडब्लूडी और आरसीडी के अभियंता भौतिक सत्यापन के आधार आवश्यकता अनुसार पुलों की मरम्मत करवाते हैं। आरडब्लूडी के अधीन जो पुल सड़क के साथ बना हुआ है, उसका रखरखाव सड़कों के साथ होता है, लेकिन जहां पर केवल पुल बना हुआ है। उसके रखरखाव के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं है। आरसीडी के एक अभियंता ने बताया कि नियमित तौर पर पुलों का भौतिक तौर पर सत्यापन किया जाता है। इस दौरान अगर आवश्यकता होती है तो मरम्मत करायी जाती है। वहीं आरडब्लूडी के अभियंताओं के मुताबिक सड़क के साथ जहां भी पुल का निर्माण होता है, उसके 5 वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की रहती है। इसके बाद पुनः 5 वर्षों के रखरखाव के लिए निविदा जारी कर एजेंसी का चयन किया जाता है। जो नियमित तौर पर सड़क की देखभाल करते हैं। लेकिन जहां पर सिर्फ पुल का निर्माण किया जाता है। उसके रखरखाव की जिम्मेदारी 5 वर्षों तक ही निर्माण एजेंसी की होती है। उसके बाद कोई दिशा निर्देश प्राप्त नहीं है।

पटना में 3389 पुल-पुलिया और क्लवर्ट हैं

जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग के न्यू राजधानी डिविजन में 23 पुल, पटना पश्चिम डिविजन में 38 पुल जबकि पटना सिटी डिविजन में 547 पुल, पुलिया, ह्यूमन पाइप और बॉक्स क्लवर्ट हैं। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग के मसौढ़ी डिविजन में 461, बाढ़ डिविजन में 290, दानापुर डिविजन में 324, पटना डिवीजन में 360 और पालीगंज डिविजन में पुल-पुलियों की कुल संख्या 1346 है।

मोतिहारी में लेखापाल को बाइक सवार अपराधियों ने मारा चाकू

मोटरसाइकिल और मोबाइल लूटा, 3 थाने की पुलिस जांच में जुटी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में बेखौफ अपराधी ने बीआरसी के लेखापाल को चाकू मारकर बाइक और मोबाइल लूट कर फरार हो गया। घायल लेखापाल को इलाज के लिए सदर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह पहुंच कर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सेमरा बाजार के आगे पेट्रोल पंप के निकट रोहुआरा पुल के पास की है। घायल युवक की पहचान छतौनी थाना क्षेत्र के छोटा बरियापुर के उमेश कुमार शर्मा के बेटे रितेश कुमार शर्मा (30) के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि कल्याणपुर बीआरसी के लेखपाल को रितेश कुमार शर्मा घायल लेखापाल बीआरसी से काम निपटाकर अपने घर मोतिहारी जा रहा था। इसी बीच घात लगाए 3 अपराधियों ने वारदात को अंजाम दे दिया। उनके दाहिने साइड पाजर में चाकू मार कर मोटरसाइकिल और मोबाइल छीन कर पिपरा कोठी की तरफ फरार हो गए।

ग्रामीणों ने घायल को पहुंचाया हॉस्पिटल

चाकू मार कर लेखपाल से बाइक और मोबाइल लूट कर अपराधी वहां से फरार हो गया। इसके बाद ग्रामीण वहां पहुंच कर घायल को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां इलाज के बाद घायल को रेफर कर दिया। इसका मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ

घटना कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह के साथ पिपरा और कल्याणपुर पुलिस के साथ केसरिया इंस्पेक्टर घटनास्थल पर पहुंच मामले कि जांच शुरू कर दिया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी को खंगालने में जुटे हैं। चकिया एसडीपीओ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। दोषी बख्शे से नहीं जाएंगे।

प्रेमी–प्रेमिका ने जहर खाकर की खुदकुशी

रेलवे लाइन के किनारे दोनों बेहोशी की हालत में मिले थे, एक ही गांव के हैं मृतक

पटना, एजेंसी। फतुहा में प्रेमी और प्रेमिका ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। फतुहा स्टेशन और बुद्धदेवचक हाल्ट के बीच पोल संख्या 520/16 के पास रेलवे लाइन के किनारे दोनों बेहोशी की हालत में दिखे। इसके बाद लोगों ने सीएचसी फतुहा में भर्ती कराया। दोनों को पटना रेफर कर दिया गया। वहीं, रास्ते में ही प्रेमी ने दम तोड़ दिया। जबकि, इलाज के दौरान प्रेमिका की मौत हो गई।

एक ही गांव के हैं दोनों

गुरुवार की रात ग्रामीणों ने डायल 112 की पुलिस को कॉल कर जानकारी दी थी। लोकल थाने की पुलिस के साथ आरपीएफ भी मौके पर पहुंची। दोनों को पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालांकि, गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया था।

युवक नीरज कुमार (19) नालंदा जिले के खरजम्मा गांव का रहने वाला है। जबकि, लड़की भी उसी गांव की ब्यूटी कुमारी (18) है। हालांकि, दोनों ने जहर क्यों खाया। इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

वियतनाम से आई बोधगया के युवक की डेड बॉडी

गया, एजेंसी। वियतनाम के हिनोई में बोधगया के एक युवक की मौत हो गई थी। अपार्टमेंट में आग लगने से सोहेल और उसकी वियतनामी पत्नी ने दम घुटने की वजह से दम तोड़ दिया था। घटना के 10वें दिन सोहेल की डेड बॉडी को बोधगया लाया गया। विदेश से डेड बॉडी लाने में परिजनों को पुरजोर कोशिश करनी पड़ी। भारत सरकार की मदद से उसे वापस इंडिया लाया जा सका। देर रात सोहेल (22 वर्ष) को बोधगया स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। सोहेल वियतनाम में बीते 6 माह से गाइड की नौकरी कर रहा था। सोहेल बीते दिनों बकरीद के मौके पर बोधगया स्थित अपने घर आया था। सोहेल हिनोई में अगलगी से तीन दिन पहले ही बोधगया से वियतनाम गया था। मृतक के परिजनों ने शॉर्ट-सर्किट घटना की वजह बताई है।

वियतनाम एंबेसी तक गुहार लगाई थी

सभी लोग मृतक सोहेल को एक झलक देखने के लिए परेशान थे। इस घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन डेड बॉडी को बोधगया लाने में जुटे थे। मृतक के परिजन चाहते थे कि भारत सरकार की मदद से सोहेल की बॉडी वियतनाम से बोधगया लाई जाए। ताकि उसके परिजन उसका अंतिम दर्शन कर सकें। परिजन दिन रात एक कर के भारत सरकार की मदद से सोहेल की डेड बॉडी वियतनाम से मंगवाने में सफल हुए। सोहेल के परिजनों ने बोधगया के क्षेत्रीय विधायक, हम पार्टी के नेताओं और जिला प्रशासन से लेकर कोलकाता स्थित वियतनाम एंबेसी तक गुहार लगाई थी।

जेवर दुकान में घुस स्टाफ की 2 लाख की चेन लूटी, पिस्टल की बट से मार सिर फोड़ा

पटना, एजेंसी। आलमगंज थाना क्षेत्र के नया गांव जल्ला रोड में एक बाइक पर सवार दो हथियारबंद बदमाशों ने उज्जीवन फाइनेंस बैंक के कर्मचारी हरिकिशोर कुमार को हथियार का भय दिखा कर 55 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। वहीं सूचना के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हरिकिशोर ने बताया कि दिन में करीब एक बजे कर्जदाताओं के संग बैठक के बाद रुपए लेकर जैसे ही गली के मोड़ महारानी स्थान दुर्गा मंदिर सड़क पर पहुंचे कि पूर्व से घात लगाए एक बाइक पर सवार बदमाशों ने बाइक को घेर लिया और बैग छीनने लगे। विरोध करने पर कमर से पिस्टल निकाल बाइक के पीछे बैठे अपराधी ने कहा कि मार दें गोली। कर्मचारी को लगा कि अपराधी फायर कर सकते हैं, तब बैग अपराधियों के हवाले कर दिया। अपराधियों के हाथों में कट्टा देख कर हल्ला नहीं कर सके। बैग में बैंक के कर्जदारों से लिए गए 55 हजार, पैन, आधार व ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य कागजात थे।

सीसीटीवी फुटेज में अपराधी: फुलवारीशरीफ 7 सिपारा स्थित नटराज ज्वेलर्स में दिनदहाड़े घुसकर नकाबपोश अपराधियों ने स्टाफ गौतम कुमार के गले से करीब 2 लाख की सोने की चेन लूट ली। विरोध करने पर सिर पर पिस्टल की बट से मारकर घायल कर दिया। इससे पहले गौतम की लुटेरों से हाथापाई भी हुई। घटना गुरुवार की दोपहर करीब 2:30 बजे की है। लाल रंग की पल्सर पर सवार होकर तीन नकाबपोश और हेलमेट पहने अपराधी पहुंचे। दो दुकान में गए और एक बाहर रहा। गौतम से लॉकर की चाबी मांगी। चाबी नहीं देने पर उसके सिर पर पिस्तौल तान दी। उस वक्त दुकान में गौतम ही था। ग्राहक नहीं थे। इतने में अपराधी ने गौतम के गले से 30 ग्राम की चेन और लॉकेट लूट लिया। सिर पर पिस्टल से मारकर घायल कर दिया। नटराज ज्वेलर्स के पास ही एक श्रृंगार की दुकान है। उसके दुकानदार पप्पू को कुछ हलचल का पता चला तो वह बाहर निकले। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे। भीड़ देख तीनों अपराधी बाइक से भागने लगे। भीड़ ने इन तीनों को करीब आधा किमी तक खदेड़ दिया। इतने में बेउर पुलिस पहुंच गई। नटराज ज्वेलर्स के मालिक राजीव कुमार किसी काम से पटना से बाहर हैं। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में तीनों बदमाशों की तस्वीर कैद हो गई है। बदमाशों की उम्र 25 से 30 वर्ष रही होगी। ट्रेनी डीएसपी सह बेउर थानेदार निशांत गौरव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से लुटेरों की पहचान की जा रही है।

मोतिहारी में 3 युवकों की पेड़ से बांधकर पिटाई

फाइनेंसकर्मी को लूट कर भाग रहे थे, ग्रामीणों ने पकड़ा ; देसी कट्टा और कैश बरामद

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में तीन युवकों को बांधकर लोगों ने पीटा। इस मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तीनों को पेड़ से रस्सी के सहारे बांधकर लोग पीटते दिख रहे हैं। चारों तरफ से लोगों ने घेर रखा है, और तीनों की पिटाई कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये तीनों अपराधी हैं, और एक फाइनेंसकर्मी को लूट कर भाग रहे थे। तीनों के पास से एक देसी कट्टा और 32 हजार कैश भी मिले हैं। मामला गुरुवार का है। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है। पिटाई के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस तीनों अपराधी को थाने ले गई। जहां पूछताछ कर रही है।

प्राइवेट फाइनेंस कंपनी से कर्मचारी से लूट : आरबीएल फाइनेंस कंपनी के कर्मी सुधीर कुमार भारती यमुनापुर से गुरुवार को कलेक्शन करके लौट रहे थे। इसी दौरान शंभूचक पंचायत के मुसहर टोली के पास एक बाइक पर सवार 3 अपराधी आए और सुधीर को रोकने लगे। बदमाशों ने पिस्टल का भय दिखाकर सुधीर के पास रखे बैग को छीन लिया और भागने लगे। बैग में लगभग 32 हजार 640 रुपए थे।

ग्रामीणों ने दिखाई हिम्मत

इसके बाद फाइनेंसकर्मी ने घटना की जानकारी अपने बीएम को दी। वहीं, ग्रामीणों ने आरोपी को भागता देख हिम्मत दिखाई और तीनों बदमाशों को पकड़ लिया। तीनों को एक पेड़ में बांधकर उनकी जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस आई और तीनों बदमाशों को थाना लेकर चली गई। वहीं, कैश भी बरामद कर लिए गए हैं।

आरोपियों के पास से 1 देसी कट्टा बरामद : मिली जानकारी के अनुसार अपराधियों में केसरिया थाना क्षेत्र के सिसवा पटना गांव के नबी आलम (21), सिसवा खरार गांव के नीरज कुमार (19) और यमुनापुर गांव के अनिकेत सिंह (21) को ग्रामीणों ने पकड़ा है। इसके पास से 1 देसी कट्टा और 4 गोली बरामद की गई है।

पुलिस खंगाल रही क्रिमिनल रिकॉर्ड

फाइनेंसर सुधीर भारती पूर्वी चंपारण जिला के राजेपुर थाना क्षेत्र के नरहा पानापुर गांव के निवासी हैं। चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने बताया कि एक फाइनेंस कर्मी से लूट की घटना को अंजाम दिया है। इसमें तीनों अपराधी को ग्रामीणों ने देसी कट्टा के साथ पकड़ लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। इनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

सदर एसडीओ ने किया सुगौली अंचल के पंचायतों का भ्रमण

- अंचलाधिकारी सुगौली और कार्यपालक अभियंता नहर प्रमंडल सिकरहना को दिया गया जरूरी निर्देश
- सिकरहना नदी के जलस्तर का बाढ़ पूर्व तैयारियों की की गई समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

सदर एसडीओ अनुपम श्रेष्ठ के द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारी की धरातल पर जायजा लेने के लिए जिला के सुगौली अंचल का भ्रमण किया गया। इस दौरान अंचल के माली, बेलबतिया एवं गौरीगांवा पंचायत का भ्रमण कर स्थानीय लोगों से मिलकर फीडबैक प्राप्त किया गया। सदर एसडीओ के द्वारा सिकरहना नदी की धारा एवं जलस्तर का मुआयना किया गया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी सुगौली श्री कुंदन कुमार एवं कार्यपालक अभियंता नहर प्रमंडल सिकरहना भी मौजूद थे। सदर एसडीओ ने अंचल अधिकारी के साथ बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा की और बाढ़ तैयारी संबंधी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया)के अनुसार सभी व्यवस्थाओं को अपडेट रखने का निर्देश दिया। अंचलाधिकारी को नदी के जलस्तर एवं वर्षा पर लगातार नजर बनाए रखने और क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों से मिलकर फीडबैक प्राप्त करते रहने का निर्देश दिया गया। बाद में अंचलधिकारी के द्वारा लालपरसा, निमुइया, उतरी बारी टोला एवं दक्षिणी बारी टोला का भ्रमण किया गया।

जनता दरबार में 51 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 51 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह-विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीबीए की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

बीएनएम। मोतिहारी। मुंशी सिंह महाविद्यालय के व्यावसायिक कोर्स बी.बी.ए.में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन विधिवत संपन्न हो गया।बी.बी.ए.विभाग के समन्वयक प्रो.अमरजीत कुमार चौबे ने बतलाया कि कुल आबंटित सीट 50 के संदर्भ में कुल 80 प्रवेशार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी।इस प्रवेश परीक्षा हेतु कुल 103 छात्र छात्राओं ने आवेदन किया था।प्रो. चौबे ने बतलाया कि कल दिनांक 06 जुलाई को परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं का साक्षात्कार लिया जायेगा।इसके उपरांत 08 जुलाई को अंतिम रूप से परीक्षा परिणाम प्रकाश किया जायेगा।दिनांक 09 जुलाई से 11 जुलाई तक प्रवेश लिया जायेगा।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार ने दी है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने बाढ़ शरण स्थली का किया भ्रमण

बीएनएम। मोतिहारी। अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल शिवाक्षी दीक्षित के द्वारा शुक्रवार को क्षेत्र भ्रमण के क्रम में आदापुर प्रखंड के विभिन्न पंचायत का भ्रमण किया गया और ग्रामीण जनता से मिलकर फीडबैक प्राप्त किया गया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान एसडीओ के द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारी के क्रम में प्रखंड अंतर्गत चिन्हित किए गए 08 बाढ़ शरण स्थली का भौतिक रूप से निरीक्षण किया गया। इस दौरान पशुओं की ठहराव के लिए भी चिन्हित किए गए पशु शरण स्थलों का मुआयना किया गया। एसडीओ रक्सौल के द्वारा आदापुर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के साथ बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा की गई और सभी जरूरी निर्देश दिए गए।

लूट कांड के पांच शातिर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

पिछले दिनों थाना क्षेत्र में बड़े घटना को दिया था अंजाम

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के समीप पिछले दिनों हुए बड़े लूट कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है।इस कांड में शामिल पांच शातिर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।गुप्त सुचना के आधार पर पुलिस ने सदर डीएसपी के नेतृत्व वाली एक पुलिस टीम ने यह कार्यवाही की है। जिसमें पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से लूटे गये मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने लूट कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है।घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि पकड़े गये सभी अपराधी पश्चिम चम्पारण के मझौलिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में विश्वजीत कुमार,विवेक कुमार ,सुकेश कुमार,सुबोध यादव तथा विक्की कुमार शामिल हैं। छापेमारी दल का नेतृत्व सदर डीएसपी शिखर चौधरी कर रहे थे जबकि पुलिस टीम में दारोगा राजेश कुमार, स्थानीय थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

श्रावणी मेला जलाभिषेक करने आने वाले भक्तो को मिलेगी अदभुत सुबिधा

- सुरक्षा को लेकर 500 सुरक्षाबल पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ चप्पे चप्पे पर रहेगी सुरक्षा व्यवस्था
- कोताही बरतने वाले विभाग के बिरुद्ध होगी सख्त करवाई, डीजे बजाने पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

बीएनएम। अरेराज

अनुमंडल के सभागार अगममी श्रावणी मेला की तैयारी की बैठक एसडीओ अरुण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई .गोबिंदगज विधायक सुनील मणि तिवारी ने कहा कि जलाभिषेक के आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुबिधा दिया जाएगा .श्रावणी मेला को सरकारी मेला घोषित करने के लिए प्रयाश किया जा रहा है .मुख्य रूप से मेला भीड़ को नियंत्रित करना ,शुद्ध पेयजल की व्यवस्था को लेकर खराब सभी चापाकल को दुरुस्त करने के साथ साथ स्थायी निदान किया जाय .वही विधुत विभाग को सड़क के करीब नीचे लटके तार बदलने सहित कई निर्देश दिया गया .वही एसडीओ द्वारा बताया गया कि जलाभिषेक में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा नही हो इसको लेकर इसबार अदभुत व्यवस्था करने की तैयारी किया जा रहा है.चिन्हित 25 स्थानों पर फिक्स व ड्रॉप गेट के साथ नियंत्रण कक्ष सहित पूरा मेला क्षेत्र सीसीटीवी के निगरानी में रहेगा .पड़ाव स्थलों पर उत्तम प्रकाश,शुद्ध पेयजल,शौचालय,चेंजिंग रूम,साफ सफाई व पड़ाव स्थल पर टेंट दरी की व्यवस्था रहेगी.वही गढ़ेनुमा सड़को को मोटरेबल किया जाएगा .55 स्थलों पर तीन लेयर में दण्डाधिकारी व सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे .वही स्वस्थ्य शिविर में कुशल चिकित्सक के टीम के साथ सभी इमरजेंसी दवा उपलब्ध रहेगा.वही डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि शहर से मिट मछली की दुकान को हटाकर दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की करवाई नगर पंचायत करे.वही मुख्य चौक से लेकर मंदिर तक अतिक्रमण को हटाया जय ।ताकि जाम की समस्या का निदान पाया जा सके.वही सभी पुलिस पदाधिकारी सेवा भाव के साथ मेला डियूटी करेंगे .प्रवेश द्वार के आसपास कोई दुकान नही लगेगा .वही निकासी द्वार से किसी भी कीमत पर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा .श्रद्धालुओ से दो पार्किंग वसूली की व्यवस्था पर रोक लगना चाहिए .वही मंदिर महंत सह महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी ने बताया कि इस बार सावन मास की शुरुआत सेमवारी से हो रहा है .जिस अदभुत संयोग में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक होने की उम्मीद है.मंदिर प्रबंधन भक्तो की बेहतर सुबिधा के लिए तैयारी में जुट गई है.वही नगर मुख्य पार्षद रनटू पांडेय ने बताया कि नगर पंचायत बेहतर साफ सफाई,बिलीचिंग ,फौबिंग ,शुद्ध पेयजल सहित बेहतर सुबिधा उपलब्ध रहेगी .धन्यवाद अपर समाहर्ता आपदा द्वारा किया गया .मौके पर बीडीओ अमित कुमार पांडेय,अनुराग आदित्य,इंस्पेक्टर के के गुप्ता, राजू मिश्रा, धीरज सिंह,अम्बेश कुमार ,ईओ निखिल कुमार सहित उपस्थित थे.

नगर निगम के दो सौ से अधिक संविदा कर्मियों को चालू जुलाई माह से 15 फीसदी वेतन वृद्धि का लाभ: गरिमा

- गुरुवार को देर शाम तक चली नगर निगम बोर्ड की बैठक में बहुमत के आधार पर किया गया प्रस्ताव पारित
- नगर निगम के प्रत्येक संविदाकर्मी को मिलेगा दो से तीन हजार या कुछ अधिक मासिक वेतन वृद्धि का लाभ

बीएनएम। बेतिया

बेतिया नगर निगम में कार्यरत दो सौ से अधिक विभिन्न कोटि के संविदा कर्मियों को चालू जुलाई 2024 से 15 फीसदी की वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार 4 जुलाई को संपन्न नगर निगम बोर्ड की सामान्य बैठक में बहुमत के आधार पर इसका प्रस्ताव पारित किया गया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम में कार्यरत कुल दो सौ से भी अधिक संविदा कर्मियों में से प्रत्येक संविदाकर्मी को न्यूनत्तम दो से तीन हजार या उससे भी कुछ अधिक मासिक वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। महापौर ने यह भी बताया कि वर्षों से नगर निगम के संविदा कर्मी इसकी मांग करते रहे हैं। महापौर ने बताया कि उनकी प्राथमिकताओं नगर निगम के एक एक जनता-जनार्दन के सुख सुविधाओं में विस्तार के साथ हमारे साथ कार्यरत्त एक एक कर्मी तक की सुख सुविधा में समय समय पर वृद्धि करते रहना शामिल है। इस कार्य को संपन्न होने में नगर निगम बोर्ड के माननीय पार्षदगण की भी सहमतिपूर्ण भागीदारी रही है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जदयू जिलाध्यक्ष के माता के निधन पर कार्यकर्ताओ ने जताया शोक

बीएनएम। सहरसा

जिले के सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड स्थित महम्मदपुर पंचायत निवासी व जनता दल यूनाइटेड के जिलाध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया एवं भाजपा के सिमरी बख्तियारपुर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष विष्णुदेव मुखिया के माता का निधन हो गया। इसकी सूचना मिलते ही जदयू अतिपिछडा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार देव एवं भाजपा जिला मंत्री राजीव रंजन साह ने सिमरी बख्तियारपुर के महम्मदपुर पंचायत के भोटिया गांव स्थित आवास पर जाकर पार्थिव शरीर का दर्शन कर शोक-संतप्त परिजनों का ढाढ़स बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा के शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। भाजपा जिला मंत्री राजीव रंजन साह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि माँ का जाना निश्चित ही संसार की सबसे बड़ी क्षति होती है।"माँ" का निधन किसी भी व्यक्ति के जीवन में ऐसी शून्यता लाता है,जिसकी भरपाई असंभव है।जदयू अतिपिछडा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार देव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार में किसी का निधन उस पूरे परिवार के लिए एक कभी न भूलने वाला दुख दे जाता है। लोगों के ढांढस, उनके सांत्वना और संवेदनाएं उस दुख को कम नहीं कर पाते। लेकिन सभी का यह सामाजिक दायित्व है कि लोगों के दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहें, उनकी जरूरतों का ख्याल रखें।यही मानवता का धर्म है और यही सामाजिक समर्पण।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

जनसंख्या स्थिरीकरण जागरूकता के लिए माइकिंग के साथ सारथी रथ रवाना

- फेनहरा जिले में 1350 महिला बंध्याकरण व 90 पुरुष नसबन्दी करने का लक्ष्य
- परिवार नियोजन हेतु प्रचार-प्रसार कर लोगों को किया जाएगा जागरूक
- बंध्याकरण या नसबंदी कराने पर खाते में भेजी जाती है प्रोत्साहन राशि

बीएनएम। बेतिया

जिला स्वास्थ्य समिति बेतिया के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा, डीपीएम अमित अचल, डीसीएम राजेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर माइकिंग के साथ सारथी रथ रवाना किया। डॉ रमेश चंद्रा ने बताया किजिले के 18 प्रखंडों के सभी पीएचसी में 75 महिला बंध्याकरण एवं 5 पुरुष नसबन्दी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह कुल 1350 महिला बंध्याकरण एवं 90 पुरुष नसबन्दी विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में कराया जाएगा। जिले के आशा समन्वयक राजेश कुमार ने कहा कि सभी प्रखंडों के प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सारथी रथ से माइकिंग व सघन प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा ताकि जिले की बढ़ती आबादी पर रोक लग सके। उन्होंने बताया कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत महिलाओं को कॉपर टी और प्रसव उपरांत कॉपर टी लगाया जाएगा। इस दौरान अंतरा, गर्भनिरोधक गोलियां, माला एन, कंडोम के बारे में आशा, एएनएम द्वारा जागरूक करते हुए समझाकर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 31 जुलाई तक परिवार कल्याण पखवाड़ा चलाया जाएगा।

परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है: डीपीएम

डीपीएम अमित अचल ने बताया कि परिवार नियोजन के विषय में महिलाओं को व पुरुष नसबन्दी के बारे में पुरुषों को जागरूक करना बेहद आवश्यक है। परिवार नियोजन हेतु स्थायी व अस्थायी तौर पर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क अनेक साधन उपलब्ध हैं, इनमें से कोई एक साधन चुन सकते हैं। डीपीएम अमित अचल ने बताया कि सरकारी अस्पताल में निःशुल्क सुरक्षित प्रसव कराया जाता है। साथ ही आर्थिक सहायता भी दी जाती है। जिसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। पुरुष नसबन्दी से उनकी कार्य क्षमता पर कोई असर नहीं होता है। इस मौके पर डॉ आलोक कुमार, डॉ आर एस मुन्ना, अमित कुमार, पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि राकेश कुमार, अमित कोशियारी, पिरामल के राजेश कुमार, अमित कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मनाया वन महोत्सव, पर्यावरण बचाओ - धरती को सजाओ' का संदेश भी दिया

बीएनएम। बेतिया

समाजिक संस्था "मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट" के द्वारा वन महोत्सव सप्ताह (1 से 7 जुलाई) के अन्तर्गत विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर जनमानस में पर्यावरण का अलख जगाया एवं धरती को हरा-भरा रखने का संदेश दिया। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पश्चिम चंपारण ज़िला मे जैसे बैरिया, बेतिया,नरकटियागंज में वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिद्धता जताई तो वहीं दूसरी ओर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, कोलाज मेकिंग, कविता लेखन आदि विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाया। इसी कड़ी में मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा शुक्रवार को बड़े उत्साह से प्लास्टिक बैग फ्री डे मनाया और प्लास्टिक से बने थैलों की बजाय पेपर बैग अथवा कपड़ों के बैग को अपनाने की पुरजोर अपील की। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे पर जनमानस को जागरूक करते हुए 'रिड्यूस, रीयूज एवं रिसाइकिल' की अवधारणा पर जोर दिया। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एक ऐसी समाजिक संस्था है जो शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों में पर्यावरण बचाओ - धरती को सजाओ' का संदेश देता आ रहा है। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट समाज के सभी तपको के माध्यम से समस्त बेतिया सहित पश्चिम चंपारण ज़िला को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित कर रहा है। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक संस्थान के निदेशक व समाजिक कार्यकर्ता शहीन सबा ने आगे कहा कि सामाजिक जागरूकता के प्रयासों में मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सदैव ही अग्रणी रहा है एवं समाजिक कार्य व समाजिक समस्या पर सर्वोच्च कीर्तिमान बनाने के साथ ही साथ सामाजिक जागरूकता की भी एक अलग पहचान बनाया है जिसमे समाजिक लोगों का भरपूर सहयोग भी मिलता रहा है है।

जनता के दरबार कार्यक्रम में शामिल हुए जिलाधिकारी, लोगों की सुनी समस्याएं

- फेनहरा कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट हुआ समाधा
- अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। बेतिया

बेतिया। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-70 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। आज के जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया उनमें, बिहारी वर्मा, रामदेव साह, बासुदेव हजरा, बब्लु कुमार, बिन्दा देवी, शम्भु साह, जितेन्द्र राम, उमेश कुमार, रीता देवी, सुनील कुमार चौबे, बबलू पाल, महताब अली, रविन्द्र किशोर, टांगा मजदूर संघ आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, एसडीएम, बेतिया सदर विनोद कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, वरीय उप समाहर्ता कमलाकांत त्रिवेदी, बेबी कुमारी, श्रीमती रोचना माद्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चोरी की कार के साथ एक गिरफ्तार, पश्चिम बंगाल से चोरी हुई थी स्विफ्ट डिजायर कार

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के हरसिद्धि पकड़िया पंचायत के कुबरा गांव से हरसिद्धि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोरी की एक कार के साथ एक चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि हरसिद्धि पकड़िया पंचायत के कुबरा गांव निवासी पुण्यदेव सहनी के पुत्र विकास सहनी ने पश्चिम बंगाल से एक स्विफ्ट डिजायर कार चोरी करके लाया था और उसके नंबर को बदलकर चला रहा था। उन्होंने बताया कि कार में जीपीएस लगा हुआ था उस जीपीएस के आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस उसकी खोज करते हुए हरसिद्धि पहुंची और हरसिद्धि पुलिस की मदद से पश्चिम बंगाल पुलिस विकास सहनी के घर पहुंची और छापेमारी कर दी। छापेमारी टीम में पश्चिम बंगाल पुलिस के साथ-साथ हरसिद्धि थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय, दरोगा रविरंजन कुमार, पीएसआई सौरभ कुमार आजाद, पीएसआई मनीष कुमार सहित अन्य पुलिस बल थे। थाना अध्यक्ष ने बताया कि उसके घर से ही चोरी की कार बरामद की गई और चोरी करने वाले अभियुक्त विकास को भी गिरफ्तार किया गया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि पूछताछ करने के बाद उसे पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया गया है। जिसे लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस चली गई और उसकी निशानदेही पर हरसिद्धि पुलिस अन्य जगहों पर छापेमारी कर रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के द्वारा एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

बीएनएम। बेतिया

कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना के अंतर्गत प्रखंड के परसा गांव में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया केंद्र के भरिए वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया की निक्रा यानी जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार केंद्र संपोषित परियोजना है। इसमें संबंधित गावों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कृषि से संबंधित कार्य कराए जाते हैं। यह कम बारिश वाले या बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व गांव हो सकते हैं चुकी पश्चिमी चंपारण जिले में बाढ़ प्रभावित गांवों के रूप में दो गांव को चुना गया है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य संबंधित गावों के लोगों की वहां उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग से जीविकोपार्जन में वृद्धि करना है। बागवानी विशेषज्ञ डॉक्टर धीरू तिवारी ने बताया कि धान रोपाई करने का यह सही समय है चुकी क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा हुई है जिससे किसानों को अच्छा लाभ हो सकता है। केंद्र के पौधा संरक्षण विशेषज्ञ डॉ सौरभ दुबे ने किसान की आम के बाग मे रोग की समस्या का समाधान उनके बाग पर जाकर बताया इस कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों की टीम क्षेत्र में बाढ़ ग्रसित खेतों का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ धीरू तिवारी, डॉ सौरभ दुबे, डॉ जगपाल एवं शिवम प्रताप सिंह एवं प्रगतिशील किसान अमरेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, जय प्रकाश सिंह, रंभू दस आदि दर्जनों किसान उपस्थित थे ।

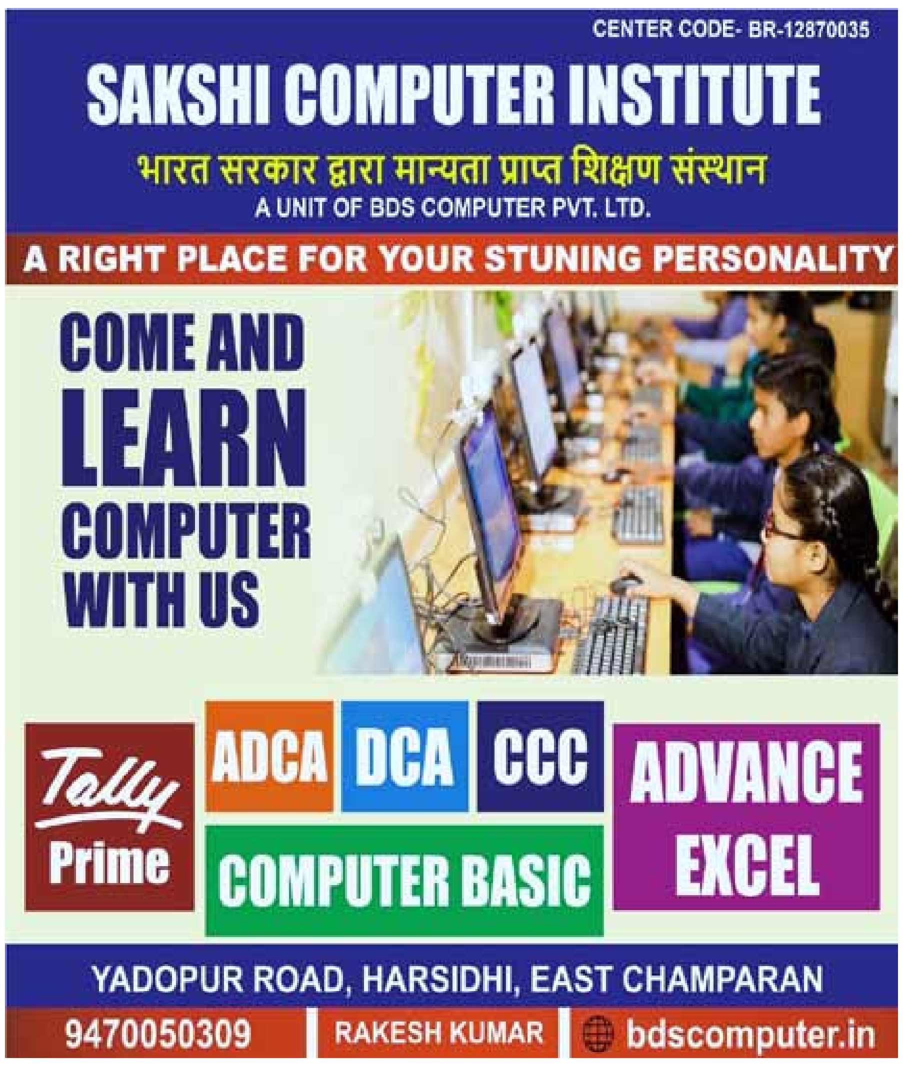

संपादकीय

बाबाओं का मायाजाल

उत्तर प्रदेश के हाथरस में नारायण साकार हरि नाम के बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई औ एफसीर दर्जनों घायल हैं। हादसा गीली मिट्टी में बाबा जी के पांव छूने के लिए दौड़े लोगों को हटाकर बाबा के लिए रास्ता बना रहे सेवादारों के कारण हुआ। सत्संग जहां 80 हजार की अनुमति के बावजूद ढाई लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे , का अनुभव पलक झपकते त्रासदी में बदल गया । संवेदना जताना और पीड़ितों की मदद तो दूर बाबा फरार हो गया। किसी जमाने में सरकारी नौकरी के दौरा छेड़खानी जैसे मामले में निलंबन झेल चुका बाबा खुद को सुदर्शन चक्र धारी भगवान कृष्ण बताकर अधर्म के विनाश का दावा करता था।

धार्मिक आयोजनों में भगदड़ की ऐसी घटनाओं का अपना इतिहास है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2000 से 2013 तक की अवधि में ही इनमें लगभग 2,000 लोग मारे गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन द्वारा प्रकाशित अध्ययन बताता है कि भारत में 79 फीसदी भगदड़ धार्मिक सभाओं और आयोजनों के कारण होती हैं जिनके प्रमुख कारण हैं निकलने का संकरा रास्ता होना ,क्षमता से अधिक लोगों की भीड़ पर नियंत्रण के उपायों का अभाव और खराब तरीके से चुना गया कार्यक्रम स्थल।

आयोजनों में भीड़ की सुरक्षा की जिम्मेदारी आयोजकों और प्रशासन की मानी जाती है। ऐसे आय़ोजनों की अनुमति के प्रमुख आधार हैं: निकास की समुचित व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन के उपाय और आग जैसी संभावित आपदाओं से निपटने की व्यवस्था । मगर सब जानते हैं कि सारी कार्यवाही महज औपचारिकता है। सामान्यतः आयोजन छोटे मैदानों और यहां तक कि सड़कों तक को घेरकर आयोजित किए जाते हैं। अग्नि प्रबंधन तो छोड़िए, प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं तक नहीं रहतीं। भीड़ प्रबंधन गैर अनुभवी अप्रशिक्षित कार्यकर्ता संभालते हैं।

हादसों के शुरुआती ट्रिगर अफ़वाह फैलना, फिसल जाना. संकरी जगह में घबराए हुए लोगों का एक-दूसरे को धक्का देना जैसे कारण होते हैं। बुनियादी ढांचे की कमी से भीड़ का व्यवहार और भी खराब हो जाता है। घबराहट में हर दिमाग में यह अलार्म बजता है कि कोई खतरा है। लोग यह भी नहीं सोचते कि खतरा वास्तविक है या नहीं और क्या यह उन्हें प्रभावित करेगा ? अपने और अपने परिवार के बारे में चिंतित हर व्यक्ति स्वार्थी हो जाता है और बाकी सभी को सिर्फ़ वस्तु और बाधा के रूप में देखता है। हादसों का शिकार ज्यादातर पारिवारिक धुरी का आधार महिलाएं बनती हैं। भागदौड़ में वह शारीरिक तौर पर उतनी मजबूत नहीं होतीं। साड़ी का सामान्य पहनावा भागने में रुकावट बनता है। घबराहट भी तुरंत बढ़ती है जो हृदयाघात और दम घुटने का कारण बनता है।

गहरी आस्थाओं वाले भारतीय हिन्दू समाज की धार्मिक गतिविधियां पहले धर्मस्थलों और तीर्थ यात्राओं तक सीमित थी। सत्संग और भजन कीर्तन जैसे समारोह मुख्यतः मंदिरों और प्रमुख धार्मिक त्यौहारों तक सीमित रहते थे। सहजता ऐसी थी कि रामलीला जैसी धार्मिक गतिविधियां भी मनोरंजन के दायरे में आती थीं। मगर पिछले बीस पच्चीस सालों में सहज धार्मिक गतिविधियों ने संगठित व्यावसायिक स्वरूप धारण कर लिया है। संत महात्माओं के रूप में खड़े हुए बाबा चमत्कार के नाम पर आवश्यक व्यवस्थाओं को ताक पर रखकर लाखों की भीड़ जुटाने लगते हैं जो ऐसे आयोजनों की टीआरपी है। हर बात को विशुद्ध वोट बैंक के आधार पर आंकने वाली राजनीति इसका फायदा उठाना चाहती है सो ज्यादा भीड़ जुटाने वाले बाबा महत्वपूर्ण हो जाते हैं और उनके आयोजनों को अनुमति देने के मामले में प्रक्रिया ताक पर रख दी जाती है। कुछ मामलों में तो ऐसे बाबा राजनीतिक दलों द्वारा समाज के वर्ग विशेष का वोट साधने के लिए बाकायदा प्रायोजित नजर आते हैं। टैक्स फ्री सुविधा वाले इस विशुद्ध व्यावसायिक कर्मकांड से अचानक करोड़ पति बने लोकप्रियता के रथ पर सवार भगवान का गुण गाने वाले महात्मा खुद को भगवान मानने लगते हैं। स्वयं को सर्वज्ञ समझकर धार्मिक मान्यताओं के मनचाही व्याख्या की पृवृति इस हद तक पहुंच जाती हैं कि उनके और पारंपरिक संत समाज में टकराव की स्थितियां बनती हैं। राधारानी विवाद के बाद सीहोर के पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा संत संगठनों के दबाव में बरसाना जाकर नाक रगड़ कर माफी मांगने की घटना ताजा प्रमाण है।

हाथरस हादसे की जांच के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, जो खुद भी एक निर्विवाद पारंपरिक संत हैं, द्वारा सर्वकालीन तात्कालिक उपाय की तर्ज़ पर एस आई टी गठित हो गई है । बुल्डोजर बाहर निकलने की खबरें आ रही हैं । मगर स्व. दुष्यंत कुमार के शब्दों में कहें तो : तफ़सील में जाने से ऐसा तो नहीं लगता, हालात के नक्शे में कुछ रद्दो बदल होगी। दीर्घकालीन उपायों की गंभीरता कहीं नहीं दिखती। अनुमति से अधिक भीड़ न जुटे और लोगों के निकास के समुचित रास्ते मौजूद हों, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी। क्या इस चूक के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान स्थापित कर उनके खिलाफ भी कार्यवाही होगी ? पुलिस बल की कमी किसी से छिपी नहीं है, ऐसे में अनुमति और व्यवस्थाओं पर तो नजर रखी जा सकती थी। लोगों की असावधानी पर ही सारा ठीकरा फोड़ना ठीक नहीं है। जरूरत है कि ऐसे आयोजनों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत कानून के माध्यम से लागू किए जाएं जिसमें आयोजकों समेत प्रशासकीय जिम्मेदारी भी निर्धारित हो। मगर जिस व्यवस्था में बाबाओं को उनकी भीड़ जुटाने की क्षमता देखकर राजनैतिक प्रश्रय और प्रशासकीय महत्व मिलता हो वहां ऐसी अपेक्षा ज्यादा सार्थक नहीं है। इसलिए उचित होगा कि सहज सीधा आम आदमी अपनी जान की जिम्मेदारी खुद ही संभाले।

- चैतन्य भट्ट

शरीर और दिमाग दोनों को ऊर्जावान बनाता है आसन

कई लोगों के लिए योग का अर्थ केवल आसन है, जबकि योगी और आध्यात्मिक नेता दावा करते हैं कि आत्म-साक्षात्कार के लिए आसन का शारीरिक अनुशासन बिल्कुल भी आवश्यक नहीं है। ये दोनों ही दृष्टिकोण अतिवादी हैं, क्योंकि आसन न तो बिल्कुल आवश्यक हैं और न ही पूरी तरह से अनावश्यक हैं।

यदि कोई ज्ञान योगी सोचता है कि केवल शास्त्रों के ज्ञान से ही उसे आत्मज्ञान प्राप्त होगा, तो वह गलत है। उसी प्रकार, यदि कोई राजयोगी शरीर की उपेक्षा करता है और केवल ध्यान की शक्ति पर निर्भर रहता है, तो वह लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता, क्योंकि उसकी साधना बीमारी से बाधित हो जाएगी। एक भक्ति योगी हमेशा अपनी भावना, भक्ति और समर्पण की शक्तियों पर अति आत्मविश्वास रखता है और मानता है कि वह अपने देवता को दर्शन देकर आशीर्वाद देने के लिए मजबूर कर सकता है। एक हठ योगी का मानना है कि यदि सब कुछ भीतर है, तो वह इसे स्वैच्छिक और अनैच्छिक, बाहरी और आंतरिक अंगों, मांसपेशियों, तंत्रिकाओं और ऊतकों के शारीरिक अनुशासन के माध्यम से बाहर निकाल लेगा ।

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती का मानना है कि ज्ञान योग, भक्ति योग, राज योग और कर्म योग चार अलग-अलग मार्ग नहीं हैं। वे चार वृत्तों की तरह हैं जो एक-दूसरे में प्रवेश करते हैं और और प्रत्येक का एक हिस्सा अन्य तीन वृत्तों का एक हिस्सा बनता है। सभी आध्यात्मिक साधकों को, चाहे वे भक्ति, ज्ञान, राज, कर्म या हठ योग के मार्ग पर चल रहे हों, योगासन का अभ्यास करने की भी आवश्यकता है। योगासन केवल कर्म योगियों या हठ योगियों के लिए नहीं हैं, जैसा लोग मानते हैं। सभी मनुष्यों की आवश्यकताएँ कमोबेश एक जैसी होती हैं; किसी की आदतों और आनुवंशिकता के अनुरूप केवल छोटे मात्रात्मक और गुणात्मक बदलाव करने की आवश्यकता है।

जिन लोगों को ध्यान मुद्रा में लंबे समय तक बैठना पड़ता है या जो लोग एक ही समय में काफी लंबे समय तक शास्त्र साधना करते हैं, उनका पाचन कमजोर हो जाता है। गहन साधना के कारण शरीर की चयापचय दर गिर जाती है और ऊतकों, तंत्रिकाओं और मांसपेशियों की उचित गति के अभाव में सभी जैविक गतिविधियाँ इतनी धीमी गति से चलने लगती हैं कि कुछ वर्षों के बाद शरीर रोग का शिकार हो जाता है। जब तक शरीर पूरी तरह से रोगमुक्त और शुद्ध न हो, इस स्थिति में ध्यान का कोई भी सफल नहीं हो सकता है। व्यक्ति के शरीर को दिव्य स्वास्थ्य से स्पंदित और स्पंदित होना चाहिए, जिससे उत्कृष्ट विचार उत्पन्न होते हैं।स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार- स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट और मोटा व्यक्ति संपूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का आदर्श होने का दावा नहीं कर सकता। एक आदर्श शरीर पतला, कोमल और मजबूत होना चाहिए। मन सदैव आनंद और आनंद से भरा रहना चाहिए। ऐसी काया तभी संभव है जब योगाभ्यास से शरीर की 72,000 नाड़ियाँ पूर्णतया शुद्ध हो जाएँ। आसन कई अन्य तरीकों से फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे ग्रंथियों और तंत्रिकाओं के कार्यों को प्रभावित और नियंत्रित करते हैं, शरीर को लचीला बनाते हैं और रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ स्थिति में रखने में मदद करते हैं। रीढ़ की हड्डी का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सुषुम्ना नाड़ी का निवास स्थान और ऊपर की ओर जाने वाला मार्ग है। योगियों और कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि आसन से न्यूरोसिस, न्यूरस्थेनिया, अनिद्रा आदि मानसिक विकार सफलतापूर्वक ठीक हो जाते हैं। यदि आसनों के संयोजन का अभ्यास किया जाए, तो यह शरीर और दिमाग के क्षय को रोकेगा, आपको युवा बनाए रखेगा और आपको पूर्ण मानसिक और शारीरिक संतुलन प्रदान करेगा। हर जगह लोगों को जीवन के हर क्षेत्र में तनाव का सामना करना पड़ता है क्योंकि दुनिया तनाव से भरी है। लेकिन योग चिकित्सा, जिसमें आसन मुख्य अभ्यास है, शरीर और दिमाग को लय में, समन्वय में रखता है। अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पूर्ण मानसिक संतुलन और स्थिरता का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जो आसन का स्वाभाविक परिणाम है। योगाभ्यास क्रोध, मानसिक अशांति, मानसिक अवसाद, असंतोष और अन्य मानसिक जटिलताओं जैसी मानसिक समस्याओं को बहुत जल्दी ठीक कर देता है। योग एक क्रमिक प्रक्रिया है जिसे नियमित अभ्यास से तेज किया जा सकता है। योग ने लाखों लोगों को निश्चित, सकारात्मक परिणाम दिए हैं, जो पिछले हजारों वर्षों के दौरान बड़े ऐतिहासिक परिवर्तनों के बावजूद इसकी निरंतरता और लोकप्रियता का रहस्य है। योग के इतिहास के अनुसार, जैसा कि पुराने ग्रंथों में मिलता है, शिव को योग विज्ञान का पहला प्रवर्तक माना जाता है, इसलिए हम उन्हें योग का आदि गुरु कह सकते हैं। उनकी पहली शिष्या उनकी पत्नी पार्वती थीं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान शिव नदी के किनारे पार्वती को योग सिखा रहे थे।आसपास कोई नहीं था, लेकिन एक मछली बड़ी दिलचस्पी से सुन रही थी। पार्वती ने इसे देखा और खुश हुईं कि मछली, एक जलीय जानवर होते हुए भी, योग दर्शन में गहरी रुचि रखती थी। उसने भगवान शिव से मछली को इंसान में बदलने की प्रार्थना की। तो उसी मछली का मनुष्य के रूप में पुनर्जन्म हुआ और वह मनुष्य योग इतिहास में मत्स्येंद्रनाथ के रूप में प्रसिद्ध हुआ, जो नाथ योगियों में से पहले थे, जिन्होंने अपने शिष्यों को हठ योग का प्रचार किया। योगी मत्स्येन्द्रनाथ ध्यान के लिए एक विशिष्ट आसन में बैठते थे, जो मत्स्येन्द्रासन के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

मत्स्येन्द्रासन लीवर, किडनी और रीढ़ की हड्डी को टोन करता है और मांसपेशियों और तंत्रिका तनाव से राहत देता है। पूरे शरीर और रीढ़ की हड्डी का हल्का-हल्का घुमाव शरीर को नई ऊर्जा से भर देता है। इस आसन को स्पाइनल ट्विस्टिंग आसन भी कहा जा सकता है। आसन के अभ्यास में, व्यक्ति को आम तौर पर रीढ़ की हड्डी के लिए व्यायाम और सुप्त तंत्रिका केंद्रों के लिए व्यायाम पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनका व्यायाम आसन के अलावा किसी भी शारीरिक व्यायाम द्वारा नहीं किया जाता है। आसन तो बहुत हैं लेकिन महत्वपूर्ण 84 हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि आसन 84 लाख (8,400,000) हैं, जितने प्राणियों की आत्मा विकसित होकर मनुष्य बनती है। हालाँकि, ये सभी किताबों में उपलब्ध नहीं हैं, हालाँकि शास्त्रों में कई सौ आसनों का उल्लेख किया गया है।

आम तौर पर, आसनों का नाम विभिन्न जानवरों या प्राणियों के नाम पर रखा जाता है, जैसे मकरासन, मगरमच्छ मुद्रा; कुक्कुटासन, कॉकरेल मुद्रा; मयूरासन, मोर मुद्रा; बकासन, बकरी मुद्रा; गरुड़ासन, ईगल मुद्रा; मत्स्यासन, मछली मुद्रा; भुजंगासन, सर्प मुद्रा; शलभासन, टिड्डी मुद्रा; कुर्मासन, कछुआ मुद्रा, इत्यादि। कुछ आसनों का अभ्यास करना बहुत कठिन होता है और कुछ आसान, लेकिन हर आसन के अपने फायदे होते हैं। आसान और प्राथमिक आसन उम्र की परवाह किए बिना सभी के लिए फायदेमंद हैं, और सभी बच्चे प्रशिक्षित शिक्षक के मार्गदर्शन में आसन का अभ्यास कर सकते हैं। आसन का अभ्यास करने का सबसे अच्छा समय सुबह नहाने के बाद और नाश्ते से पहले है। शाम के समय भी आसन का अभ्यास किया जा सकता है लेकिन खाली पेट। खेल-कूद से भी शरीर बनता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं, लेकिन आसन से ऐसे विशेष लाभ होते हैं जो अन्य व्यायाम नहीं दे पाते। खेल और अन्य व्यायामों के लिए अधिक समय, अधिक स्थान और अन्य सामान की आवश्यकता होती है, जबकि योगिक आसनों के लिए इन अतिरिक्त चीजों की आवश्यकता नहीं होती है और बहुत कम समय लगता है। अक्सर मानसिक सुस्ती व्यक्ति को आसन सीखने और अभ्यास करने की अनुमति नहीं देती है। मन कोई बहाना ढूंढने और उसे धर्मग्रंथों से अनुमोदित करवाने के लिए तत्पर रहता है। केवल एक खुला, पूर्वाग्रह रहित और शुद्ध मन ही शुद्ध कारण के निर्देशों को सुन सकता है और शुद्ध चेतना के अस्तित्व का एहसास कर सकता है। आसन के बारे में सभी पूर्वाग्रहों को दूर करने और उनका अभ्यास करके विश्वास बहाल करने की जरूरत है। शरीर और दिमाग दोनों को सक्रिय और ऊर्जावान बनाने के लिए दैनिक जीवन में आसन को उचित महत्व देना चाहिए। एक अवस्था आती है जब योगी शरीर और मन की सीमाओं से ऊपर होते हैं, लेकिन ऐसा पहले आसन के लाभों को प्राप्त करने के बाद ही होता है।

- कुमार कृष्णन

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी।

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं?

एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई। विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्त्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है। इस एवं इससे जुड़ी कार्रवाइयों से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, क्योंकि आमतौर पर यही देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में कार्रवाई के नाम पर कुछ अधिक नहीं होता। इसी कारण रह-रहकर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और उनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद कोई सबक सीखने को तैयार नहीं दिखता है। धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर इसलिए विराम नहीं लग पा रहा है, क्योंकि दोषी लोगों के खिलाफ कभी ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती, जो नजीर बन सके।

- ललित गर्ग

आज का पंचांग

06 जुलाई 2024 को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 28:26 तक है, फिर इसके बाद द्वितीया तिथि लगेगी। इस तिथि पर पुनर्वसु नक्षत्र और व्याघात योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो शनिवार को अभिजीत मुहूर्त 11:57-12:52 मिनट तक है।

आज का राशिफल

मेष : आज कार्य क्षेत्र में कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच समझ कर लें. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय हानिकारक सिद्ध हो सकता है. नौकरी में आपको महत्वपूर्ण पद से हटाया जा सकता है. कुछ सहयोगियों से वाद विवाद करना आपको भारी पड़ सकता है. अतः इस दिशा में सोच समझकर कार्य करें.

वृष : आज कोई शुभ समाचार मिलेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा सरकारी मदद से दूर होगी. परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. गृहस्थ जीवन सुखद बीतेगा. श्रृंगार में अभिरुचि अधिक रहेगी. व्यापार में नए सहयोगी बनेंगे. राजनीति में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार में उत्पन्न हुए मतभेद शांत होंगे. दूर देश से किसी प्रियजन का घर आगमन होगा.

मिथुन : आज कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में आने वाली समस्या का गंभीरता पूर्वक सामना करने के लिए तैयार रहें. घबराएं नहीं. महत्वपूर्ण कार्य संघर्ष के पश्चात पूर्ण होगा. विरोधी पक्ष आपकी कमजोरी का लाभ उठाने का कोशिश करने का प्रयास करेंगे. कार्ट शैली में सकारात्मक परिवर्तन की कोशिश करें.

कर्क : आज शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करेंगे. कारावास से मुक्ति मिलेगी. व्यापारिक स्थिति में सुधार होगा. राजनीतिक विरोधी परास्त होंगे. नौकरी में उच्चाधिकारियों के निकटता का लाभ मिलेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी मिलने से समाज में मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कार्य क्षेत्र में नौकर चाकर का सुख बढ़ेगा.

सिंह : आज संतान पक्ष से बिना वजह के तनाव मिलेगा. अध्ययन में मन कम लगेगा. किसी पुराने मित्र से शुभ समाचार प्राप्त होगा. नौकरी में नए मित्र बनेंगे. व्यापारिक स्थिति में सुधार होगा. कला, अभिनय की दुनिया से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त होगी. राजनीति के क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित होगा.

कन्या : आज भूमि संबंधी कार्य में आ रही बाधा सरकारी मदद से दूर होगी. व्यापार में परिश्रम करना पड़ेगा. नौकरी में अधीनस्थ से अकारण मतभेद हो सकते हैं. किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है. राजनीति में जनमानस का सहयोग मिलेगा. सोच समझकर नीति निर्धारण करें. अन्यथा बनी बात बिगड़ सकती है.

तुला : आज बिगड़े हुए काम बनने अवसर मिलेगा. कार्य क्षेत्र में वातावरण आपके मनोनुकूल बनेगा. राजनीति में महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. व्यापार में किए गए कुछ परिवर्तन लाभकारी सिद्ध होंगे. नौकरी में उच्च अधिकारी की निकटता का लाभ मिलेगा. किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमान आपको मिल सकती है.

वृश्चिक : आज राजनीतिक क्षेत्र में आपकी भाषा शैली की सराहना होगी .किसी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का विचार छोड़ दें. किसी की कहा सुनी बातों पर ध्यान न दें. पारिवारिक समस्याओं का समाधान हो जाएगा. नए काम की आशा बलवती होगी. व्यापार में मन लगाकर मेहनत करें. परिणाम सुखद होगा.

धनु : आज स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा. कार्य क्षेत्र में मन मुताबिक कार्य करने को मिलने से मन प्रसन्न रहेगा. राजनीति में पद एवं कद बढ़ेगा. नौकरी की तलाश पूरी होगी. व्यापार में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे. किसी महत्वपूर्ण योजना का हिस्सा बनेंगे. नए सहयोगी बनने से उत्साह एवं उमंग में वृद्धि होगी.

मकर : आज दिन की शुरुआत व्यर्थ भाग दौड़ भरी रहेगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में विघ्न आ सकता है. गृहस्थ जीवन में समय सुखद रहेगा. भोग विलास सामग्री पर अत्यधिक धन व्यय करेंगे. कार्य क्षेत्र में अधिक व्यस्तता बनी रहेगी. नौकरी में झूठा आरोप लग सकता है. किसी की बुरी बात को दिल से ना लगाएं.

कुंभ : आज नौकरी की तलाश पूरी होगी. मजदूरों को कार्य करने को मिलेगा. बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को महत्वपूर्ण कार्य करने की जिम्मेदारी मिलेगी. जिससे कार्य क्षेत्र में प्रभाव पड़ेगा. राजनीति में पद, प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकार के जनकल्याण के कार्यों की जिम्मेदारी आपको प्राप्त होगी.

मीन : आज दिन की शुरुआत शुभ समाचार के साथ होगी. कोई मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होगा. किसी विशिष्ट व्यक्ति का संदेश प्राप्त होगा. व्यापार में विस्तार करने की योजना सफल होगी. नौकरी में पदोन्नति के साथ महत्वपूर्ण पद प्राप्त होगा. राजनीति में पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अभिनय के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई महत्वपूर्ण सफलता मिल सकते हैं.

भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए, राधा रानी ने दिया था श्राप

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा बेहद उत्साह के साथ निकाली जाती है। इस यात्रा को गुंडिचा यात्रा और रथ महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में लोग जप-कीर्तन कर गुंडीचा नगर तक जाते हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा जी विराजमान हैं। हर वर्ष भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। यह यात्रा में देश-विदेश में अधिक प्रसिद्ध है। इसमें अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए। आइए जानते हैं इसके पीछे की वजह के बारे में।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्री राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने का विचार किया। जब वह मंदिर में प्रवेश कर रही थीं, तो उनको पुजारी ने रोक दिया। इसके बाद पुजारी से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आप श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और विवाहिता भी नहीं हैं। इस वजह से भगवान श्री कृष्ण की पत्नियों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली, तो आपको भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं है। इस वजह से राधा रानी पुजारी की इस बात से नाराज हो गईं। इसके बाद राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर को श्राप दिया कि यदि जीवन में कोई अविवाहित जोड़ा एक साथ मंदिर में प्रवेश करेगा, तो उसे कभी भी प्रेमी या प्रेमिका का प्यार नहीं मिलेगा।

यात्रा में होते हैं 3 रथ

यात्रा के लिए 3 रथ बनाए जाते हैं। इन रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अलग-अलग रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के घर जाते हैं। वहां कुछ दिन विश्राम करने के बाद वापस आते हैं। ऐसा बताया जाता है कि इन रथों को नेम के पेड़ की लकड़ियों की सहायता से बनाया जाता है। सबसे खास बात यह है कि इन रथ को बनाने के लिए किसी भी धातु और कील का प्रयोग नहीं किया जाता है।

मिलते हैं ये लाभ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का रथ को खींचने से साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। रथ यात्रा में शामिल होने से इंसान को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

53 साल बाद बना अद्भुत संयोग

2 दिन की होगी जगन्नाथ रथयात्रा

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। यह यात्रा ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ निकाली जाती है। यह मंदिर चार पवित्र धामों में से एक है। यह यात्रा कुल 10 दिनों कि होती है और इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ इस यात्रा का समापन होता है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। जगन्नाथ मंदिर पर श्रीहरि विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी पूजा होती है।

उड़ीसा के पुरी में होने वाला जगन्नाथ रथ यात्रा देश के साथ-साथ पूरी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। जहां पर दुनियाभर के लोग उस अद्भुत नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं। बता दें हर साल अषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ-साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को भी विराजमान किया जाता है। बता दें कि इस साल जगन्नाथ रथयात्रा 7 जुलाई से आरंभ हो रही है, जो 16 जुलाई को समाप्त होगी। इस साल जगन्नाथ यात्रा पर काफी दुर्लभ संयोग सालों बाद बन रहा है। इस बार तिथियों की हेरफेर के कारण लगातार दो दिन रथ यात्रा होगी। इसके बाद गुंडिचा मंदिर पहुंचेंगे। आपको बता दें कि हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ रथ यात्रा का आरंभ होता है। इसके साथ ही आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ होता है।

कब है जगन्नाथ यात्रा

इस साल जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई 2024 से 16 जुलाई 2024 तक होगी। इस बीच में 10 दिन की अवधि भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए बेहद शुभ और मंगलकारी मानी जाती है। यही कारण है कि इस यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धालु आकर शामिल होते हैं।

53 साल बाद बना दुर्लभ संयोग

इस साल पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा पूरे दो दिन चलेंगे। पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की तिथियां घट गई है। ऐसे में रथयात्रा के पहले की सभी परंपराएं 7 जुलाई तक चलेंगी। इसके बाद सुबह के बजाय शाम को रथयात्रा शुरू होगी। लेकिन रथयात्रा के बाद रथ नहीं हांका जाता है। इसलिए रात को रथ रोक दिया जाएगा और 8 जुलाई को जल्द सुबह रख चलाना शुरू होगा। इसके बाद इस दिन गुंडिचा मंदिर पहुंच जाएंगे। बता दें कि तिथियों का ऐसा संयोग साल 1971 को बना था।

अलग-अलग रथ में सवार होते हैं श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा जी

बता दें कि भव्य जगन्नाथ रथयात्रा में 3 रथ निकाले जाते हैं, जो कृमशः श्री कृष्ण, बलराम और उनकी बहन सुभद्रा का होता है। हर एक रथ अपने आप पर खास होता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ

पहला रथ जगन्नाथ जी का होता है, जिसे नंदीघोष कहा जाता है। इसके साथ ही इसमें लहरा रही ध्वजा को त्रैलोक्य मोहिनी कहा जाता है। इसके साथ ही इस रथ में कुल 16 पहिए होते हैं। इस रथ में पीला रंग का इस्तेमाल किया जाता है।

भगवान बलराम विराजेंगे दूसरे रथ पर

भगवान बलराम के रथ को तालध्वज कहा जाता है। इसके साथ ही रथ में लगे ध्वज को उनानी कहा जाता है। इस रथ में कुल 14 पहिए होते हैं। इसके साथ ही इस रथ को जिस रस्सी से खींचते हैं उसे वासुकी कहा जाता है।

मां सुभद्रा का तीसरा रथ

भगवान जगन्नाथ की छोटी बहन सुभद्रा का भी रथ निकाला जाता है। इस रथ को पद्म ध्वज कहा जाता है। इस रथ में कुल 12 पहिए होते हैं। इस रथ लाल रंग के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही खींचने वाली रस्सी को स्वर्णाचूड़ा कहा जाता है।

धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:,
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे। माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं। माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे। एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे।

फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे। भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की?

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्द्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

रोहित ने टी20 विश्व कप जीत के बाद की पांड्या की तारीफ, कहा-आखिरी ओवर फेंकने के लिए उन्हें सलाम

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी 20 विश्व कप 2024 के फाइनल के दौरान आखिरी ओवर में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की शानदार गेंदबाजी की तारीफ की। भारतीय टीम ने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीती। रोहित ने टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। मुंबई में जन्मे इस क्रिकेटर ने ट्रॉफी जीतने की खुशी में वानखेड़े में आयोजित सम्मान समारोह में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। रोहित ने कार्यक्रम के दौरान कहा, "यह ट्रॉफी पूरे देश के लिए है। देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ियों के साथ-साथ हम इसे अपने प्रशंसकों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने

11 साल तक इसका इंतजार किया है।" इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की प्रशंसा की और उन्हें धन्यवाद कहा। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, "मुंबई कभी निराश नहीं करती। हमें शानदार स्वागत मिला। टीम की ओर से हम प्रशंसकों का धन्यवाद करना चाहते हैं। मैं बहुत-बहुत खुश और राहत महसूस कर रहा हूं।" अंत में, इस बेहतरीन बल्लेबाज ने फाइनल के आखिरी ओवर में पांड्या की शानदार गेंदबाजी की सराहना की। उन्होंने कहा, "हार्दिक हमारे लिए आखिरी ओवर फेंक रहे थे। आखिरी ओवर फेंकने के लिए उन्हें सलाम। आप जानते हैं, चाहे आपको कितने भी रन चाहिए हों, उस ओवर को फेंकने का हमेशा बहुत दबाव होता है। लेकिन उन्हें सलाम।" हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर के महत्वपूर्ण विकेटों के साथ फाइनल में बड़ा योगदान देने वाले इस ऑलराउंडर ने बल्ले और गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया और इस श्रेणी में नंबर 1 पर पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। हार्दिक पांड्या ने बल्ले से निचले क्रम में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और जब टीम को उनकी ज़रूरत थी, तब गेंद से भी सफलता हासिल की। उन्होंने 150 से ज़्यादा की बैटिंग स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए और 11 विकेट भी लिए। रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद 20 ओवर के प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। 159 मैचों में 4231 रन के साथ, रोहित इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हैं। उनके नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज़्यादा शतक (पांच) लगाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते हैं: पहला 2007 में प्रतिस्पर्धा करते हुए और मौजूदा 2024 में कप्तान के तौर पर। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्यों का गुरुवार को दिल्ली से मुंबई पहुंचने के बाद मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक खुली छत वाली बस में विजय परेड के दौरान जोरदार स्वागत किया गया। विश्व कप जीत की खुशी में झूमते प्रशंसकों का एक समूह ताली बजाकर और जयकारे लगाकर टीम का स्वागत कर रहा था। टीम के सदस्यों ने भी प्रशंसकों की भावनाओं का जवाब देते हुए मुस्कुराते हुए और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी उठाई और रास्ते में बड़ी संख्या में मौजूद प्रशंसकों को दिखाई। इस अवसर पर जश्न मनाने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी बस में खिलाड़ियों के साथ थे। इस जश्न के दौरान खिलाड़ियों ने खुद को तिरंगे में लपेटा हुआ था। खिलाड़ियों को बेहतर तरीके से देखने के लिए कुछ प्रशंसक पेड़ों पर भी चढ़ गए। खिलाड़ियों ने ट्रॉफी थामकर उत्साही क्रिकेट प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाया। रोहित ने टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का हाथ थामा और तीनों ने आसमान की ओर हाथ जोड़कर टीम की जीत का संकेत दिया। इसके बाद टीम वानखेड़े स्टेडियम पहुंची। इससे पहले, टीम इंडिया विजय परेड के लिए मुंबई पहुंची और उनका जोरदार स्वागत किया गया। वेस्टइंडीज में विश्व कप जीतने के लिए धैर्य, दृढ़ संकल्प और लचीलापन दिखाने वाली टीम का स्वागत करने के लिए मरीन ड्राइव पर प्रशंसकों का एक समूह मौजूद है। विजय परेड के बाद वानखड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहा हूं: लुइस सुआरेज़

लास वेगास। लुइस सुआरेज़ ने गुरुवार को कहा कि वह उरुग्वे की टीम में एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं। उरुग्वे की टीम संयुक्त राज्य अमेरिका में 15वीं बार कोपा अमेरिका खिताब जीतने की कोशिश कर रही है। 140 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 68 गोल के साथ उरुग्वे के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर सुआरेज़ ने अब तक इस टूर्नामेंट में सिर्फ़ आठ मिनट खेले हैं और उन्हें पता है कि शीर्ष स्तर पर उनका समय समाप्त होने वाला है। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने शनिवार को लास वेगास के एलीगेंट स्टेडियम में ब्राजील के खिलाफ़ सेलेस्टे के कोपा अमेरिका क्वार्टर फ़ाइनल से पहले संवाददाताओं से कहा, "मैं हर पल का भरपूर आनंद ले रहा हूँ। जैसे-जैसे आप बड़े होते जाते हैं, आप इसका और भी ज़्यादा आनंद लेते हैं, क्योंकि आप जानते हैं कि आपके अंदर की फुटबॉल की लौ बुझ रही है।" इंटर मियामी के स्ट्राइकर ने कहा, "मैं टीम का एक और सदस्य हूँ। मैं खेलूँ या न खेलूँ, मैं अपनी भूमिका से खुश हूँ और मैं हर संभव तरीके से मदद करने की कोशिश करता रहूँगा।" सुआरेज़ ने कहा कि वह लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज़ और मैनचेस्टर यूनाइटेड के फ़ेकुंडो पेलिस्ट्री जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक मेंटर के रूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024: 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम घोषित

नई दिल्ली। किरण पहल को इस महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय महिला 4x400 मीटर रिले टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि, किरण, जो हाल ही में अंतर-राज्यीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 50.92 सेकेंड के साथ सर्वकालिक भारतीय 400 मीटर सूची में दूसरे नंबर पर रहीं, जहां उन्हें सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार मिला, पंचकूला में योग्यता मानक हासिल करने के बाद ओलंपिक में व्यक्तिगत 400 मीटर में दौड़ेंगी। गुरुवार को ओलंपिक के लिए अपनी टीम की घोषणा करने वाले भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने रिले टीम के लिए राष्ट्रीय कैंपरों को शामिल करने की अपनी नीति पर कायम रहने का फैसला किया है और यही कारण है कि अंतर-राज्यीय मीट में दूसरे स्थान पर रहने वाली किरण

और दीपांशी को बाहर रखा गया है। आश्चर्यजनक रूप से, किरण को पेरिस के लिए अर्हता प्राप्त करने के अंतिम समय में अंतर-राज्यीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय 4x400 मीटर मिश्रित रिले टीम में शामिल किया गया था। एथलेटिक्स में देश के पहले ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 सदस्यीय टीम में सबसे बड़ा नाम हैं, जिसमें एशियाई खेलों के चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर, अविनाश साबले, पारुल चौधरी और अन्नू रानी भी शामिल हैं। पारुल पेरिस में दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपल चेज़ और 5000 मीटर में भाग लेंगी । राजेश रमेश, जिन्होंने इस साल व्यक्तिगत 400 मीटर दौड़ नहीं लगाई और जिनकी चोट के कारण मई में बहामास में विश्व रिले में भारत के लिए फिनिश नहीं कर पाए, पुरुषों की 4x400 मीटर रिले में भाग लेंगे। विश्व रैंकिंग के माध्यम से अर्हता प्राप्त करने के बावजूद, भाला फेंक खिलाड़ी डी.पी. मनु डोपिंग के लिए अनंतिम रूप से निलंबित होने के बाद कट में जगह नहीं बना पाए। एथलेटिक्स प्रतियोगिता 1 से 11 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। भारतीय एथलीट मैराथन रेस-वॉक मिश्रित रिले में भी भाग लेंगे, जो पेरिस में ओलंपिक में अपनी शुरुआत करेगी।

हमारा एकमात्र लक्ष्य भारतीय क्रिकेट और भारतीय ध्वज है, हमें इसी पर गर्व है: विराट कोहली

मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम में विजय रथ पर सवार होना विराट कोहली के लिए कोई नई बात नहीं है। तेरह साल पहले, 22 साल की उम्र में, उन्होंने भारत की ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीत का जश्न मनाने के लिए सचिन तेंदुलकर को अपने कंधों पर उठा लिया था। लेकिन जब वह गुरुवार शाम को इस प्रतिष्ठित स्थल पर लौटे,(इस बार एक अनुभवी, हाल ही में संन्यास लेने वाले टी20ई क्रिकेटर के रूप में) तो अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर सके। उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत का जश्न मनाते हुए खचाखच भरे स्टेडियम को संबोधित करते हुए कहा, "जब हमने 2011 में विश्व कप जीता था, तो मैं उस समय वरिष्ठ खिलाड़ियों की भावनाओं से जुड़ नहीं पाया था। मैं समझ नहीं पाया कि वे क्यों रो रहे थे। मेरे लिए, ऐसा लगा, 'हाँ, हमने विश्व कप जीत

लिया है और यह एक सच्चाई है। मैं 22 साल का था, लेकिन अब, यह एक अलग एहसास है।" लंबे समय तक भारत की कप्तानी करने के बाद, कोहली ने खुद स्वीकार किया है कि अब उन्हें समझ में आ गया है कि विश्व खिताब जीतना कैसा होता है - मुश्किलों से जूझना, निराशाओं पर काबू पाना। उन्होंने कहा, "अब इस स्थिति में होने के नाते, मैं समझता हूँ कि इसका क्या मतलब है। सिर्फ़ मैं ही नहीं, रोहित इतने लंबे समय से खेल रहे हैं, और हम दोनों इतने लंबे समय से इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जब मैं कप्तान था, तो वह एक वरिष्ठ खिलाड़ी थे; अब वह कप्तान हैं, तो मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी हूँ, और हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व कप जीताना था।" हाल ही में समाप्त हुए टी20 इवेंट में एक निराशाजनक अभियान से उबरते हुए, कोहली की फ़ाइनल में खेली गई शानदार पारी ने भारत के लिए रास्ता तैयार किया। और, जब भारत ने हार के मुंह से जीत हासिल की, तो यह रोहित और कोहली दोनों के लिए एक भावनात्मक क्षण था। 15 साल तक साथ खेलने के बाद कोहली ने पहली बार रोहित को मैदान पर इतना भावुक होते देखा। कोहली ने कहा, "जब मैं सीढ़ियाँ चढ़ रहा था, तो हम दोनों रो रहे थे। मेरे लिए, वह उस दिन की एक बहुत ही खास याद है। एकमात्र लक्ष्य भारतीय क्रिकेट और भारतीय ध्वज है। हम इसी पर गर्व करते हैं।" जब वह पुरानी यादों में खो गए, तो मुंबई के क्रिकेट के दीवाने प्रशंसकों ने उन्हें खड़े होकर तालियाँ बजाईं और कोहली ने भी वानखेड़े स्टेडियम को 'विशेष' बताया। उन्होंने कहा, "वानखेड़े से बेहतर वापस आना और जश्न मनाना नहीं हो सकता।

व्यापार

पूरे दिन दबाव के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर बंद, स्मॉल और मिडकैप शेयरों ने दिया सहारा

नई दिल्ली। पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को आखिरी आधे घंटे के कारोबार के दौरान शानदार रिकवरी नजर आई। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में ये गिरावट लगातार बढ़ती चली गई। दोपहर बाद 3 बजे के करीब बाजार में खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एफएमसीजी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और टेक शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर

मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 449.82 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.30 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,016 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,254 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,669 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 93 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,353 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,371 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 982 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई के सेंसेक्स ने आज 270.69 अंक टूट कर 79,778.98 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक 570.71 अंक की गिरावट के साथ 79,478.96 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। खरीदारी का सपोर्ट मिलने के बावजूद शाम 3 बजे तक ये सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। इसके बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक निचले स्तर से 670 अंक से अधिक उछल कर 100.20 अंक की बढ़त के साथ 80,149.87 अंक तक पहुंच गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 150 अंक से ज्यादा फिसल कर 53.07 अंक की कमजोरी के साथ 79,996.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई का निफ्टी आज 88.80 में अंक टूट कर 24,213.35 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक 133.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,168.85 अंक के स्तर तक फिसल गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी सुधार होने लगा। शाम 3 बजे के करीब खरीदारी का जोरदार सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक निचले स्तर से 190 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 60.85 अंक की मजबूती के साथ 24,363 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 21.70 अंक की तेजी के साथ 24,323.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 4.02 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.44 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.23 प्रतिशत, ब्रिटानिया इंडस्टरीज 2.22 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनीलीवर 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक 4.58 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 2 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.90 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.76 प्रतिशत और एलटी माइंडट्री 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

बंगाल में निवेश को प्रोत्साहित किया जाना बहुत जरूरी - निलेश शाह

कोलकाता। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य नीलेश शाह ने कहा कि बंगाल में सट्टा कारोबार पर अंकुश लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए दीर्घावधि के लिए निवेश की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शाह ने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार दीर्घकालिक पूंजी निवेश खुदरा निवेशकों और भारतीय कंपनियों के लिए धन सृजन कर सकता है। शाह ने कहा, '' हमें (सट्टा) कारोबार को हतोत्साहित करना चाहिए ताकि निवेश को बढ़ावा मिले। यदि सरकार वायदा व विकल्प या सट्टा कारोबार के लिए उच्च कराधान पर विचार कर रही है, तो यह सही कदम होगा।'' दूसरी ओर, शाह अनेक चुनौतियों के बावजूद देश की वृद्धि गति, इसकी अपार संभावनाओं और अवसरों के प्रति आशावादी हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को दिए गए अपने बजट-पूर्व ज्ञापन में एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के अध्यक्ष विनोद कुमार गोयल ने सुझाव दिया कि लेनदेन से होने वाली आय/हानि को व्यवसाय आय के बराबर माना जाना चाहिए। सट्टा आय नहीं।

टॉप 10 में शामिल 9 क्रिप्टो करेंसी रेड जोन में, बिटकॉइन 56 डॉलर से भी नीचे फिसला

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन जबरदस्त दबाव बना हुआ है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 9 गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि सिर्फ टेथर मामूली बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रहा है। बाजार में बने दबाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 4 प्रतिशत से ज्यादा टूट कर 56 हजार डॉलर के स्तर से भी नीचे है। इसी तरह दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्ट करेंसी एथेरियम भी पिछले 24 घंटे के दौरान 7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 3 हजार डॉलर के स्तर से भी नीचे गिर गई है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 4.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,258.02 डॉलर यानी 46.13 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 7.12 प्रतिशत की

कमजोरी के साथ गिर कर 2,934.50 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा बीएनबी 8.94 प्रतिशत, सोलाना 3.31 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत, एक्सआरपी 8.44 प्रतिशत, टॉनकॉइन 6.39 प्रतिशत, डॉगकॉइन 10.29 प्रतिशत और कार्डानो 11.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टेथर 0.11 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिन से लगातार दबाव का सामना कर रहे घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर तेजी का रुख है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गया है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 73,760 रुपये से लेकर 73,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,610 रुपये से लेकर 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है। इसकी वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के

स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म मुंज्या की पकड़ बरकरार

जल्द पार करेगी 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा

पिछले कुछ साल कंटेंट से भरपूर फिल्मों के लिए काफी अच्छे रहे हैं। फिल्म की कहानी खुद ब खुद दर्शकों को थिएटर की तरफ खींचकर ले आई। छोटे बजट की इस फिल्म ने कुछ समय तक बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई, लेकिन प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी के रिलीज होते ही बुलेट ट्रेन से मुंज्या ने कछुए की रफ्तार पकड़ ली। मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी जैसे सितारों से सजी फिल्म मुंज्या इस साल की हिट फिल्म का तमगा हासिल कर चुकी है।7 जून को रिलीज हुई यह फिल्म शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही है और चौथे सप्ताह में भी यह दर्शकों के बीच पकड़ मजबूत बनाए हुए है।घरेलू बॉक्स ऑफिस मुंज्या की कमाई 100 करोड़ रुपये की ओर है। आइए जानते हैं 26वें दिन इस फिल्म के खाते में कितने लाख रुपये आए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 25वें दिन यानी मंगलवार को 55 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 96 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में इस फिल्म ने 118.51 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।मुंज्या का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है, वहीं दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं। वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है।

कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज़, प्रियामणि संग खूनी खेल खेलेंगी सनी लियोनी

फिल्म कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और यह सनी लियोनी की फिल्म से आपकी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा है. कोटेशन गैंग अपने दिलचस्प प्रमोशनल कंटेंट के कारण चर्चा में है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, सनी लियोन, प्रियमणि और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाल ही में इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसर किया गया है। कोटेशन गैंग का ट्रेलर फिल्म के निर्माताओं द्वारा जारी किया गया। ट्रेलर में बहुत क्रूरता और खून-खराबा दिखाया गया है, जिसमें प्रियमणि को एक महिला कॉन्ट्रैक्ट किलर के रूप में दिखाया गया है, जो एक क्रूर गैंगस्टर और नारकोटिक्स की दुनिया में काम करती है। वह अपने व्यवसाय में अन्य पुरुषों के खिलाफ़ बढ़त हासिल करने की कोशिश करती है, और अन्य साहसी महिलाओं के साथ मिलकर लड़ती है। कोटेशन गैंग एक हाइपरलिंक क्राइम ड्रामा है और इसे विवेक के कन्नन ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म ने ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसरशिप की औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। कोटेशन गैंग को सिनेमैटोग्राफर अरुण बाथमनबन ने कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में शूट किया है और ड्रम्स शिवमणि ने इसका संगीत दिया है और केजे वेंकटरमन ने इसका संपादन किया है। फिल्म में अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। कोटेशन गैंग की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन पहले यह घोषणा की गई थी कि फिल्म जुलाई में बड़े पर्दे पर आएगी। फिल्म कन्नड़, हिंदी, मलयालम और तेलुगु में भी रिलीज होगी।

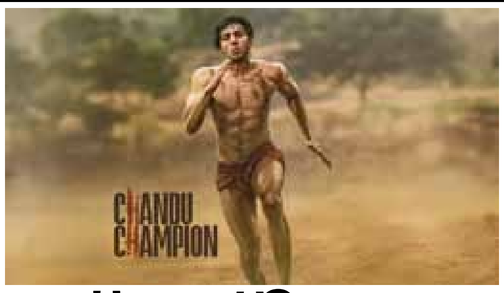

बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन ने तोड़ा दम

कबीर खान इस बार दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्म चंदू चैंपियन लेकर आए हैं।इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी लोगों को पसंद आ रही है, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।कल्कि 2898 एडी के आगमन के बाद चंदू चैंपियन की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई। अब चंदू चैंपियन की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.55 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। सिनेमाटोग्रॉफर के रूप में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले कबीर की गिनती बॉलीवुड के बेहतरीन निर्देशकों में होती है।उनके निर्देशन में एक था टाइगर और बजरंगी भाईजान जैसी सुपरहिट फिल्में बन चुकी हैं। कबीर एक शानदार लेखक और निर्माता भी हैं।न्यूयॉर्क, काबुल एक्सप्रेस और रणवीर सिंह अभिनीत 83 के निर्देशन की कमान भी उन्होंने ही संभाली थी। हालांकि, सलमान खान की फिल्म एक था टाइगर से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने कैमरे के साने दिए किलर पोज

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों के कारण इंटरनेट पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर फिदा हो जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं। अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने पिंक कलर का बेहद ही सिजलिंग आउटफिट पहना हुआ है। इन तस्वीरों में वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का हाई बन बनाकर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है। हालांकि फैंस को भी उनका ये लुक काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। अनुष्का सेन की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही समय हुआ है और अब तक लाखों लोगों ने फोटोज पर लाइक कर दिया है।

रितेश-सोनाक्षी की काकुड़ा का दिलचस्प का ट्रेलर आउट

हॉरर-कॉमेडी का तड़का लगाने आए साथ

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की जल्द रिलीज होने जा रही फिल्म काकुड़ा का दिलचस्प ट्रेलर रिलीज हो चुका है. यह सोनाक्षी सिन्हा की शादी के बाद पहली फिल्म होगी. रितेश और सोनाक्षी के साथ इस फिल्म में एक्टर साकिब सलीम भी नजर आने वाले हैं. काकुड़ा का ट्रेलर काफी दिलचस्प है. बता दें कि इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने डायरेक्ट किया है. गौरतलब है कि हाल ही में उनकी फिल्म मुंज्या रिलीज हुई थी जो कि बॉक्स ऑफिस पर हिट हो चुकी है. इसके बाद अब आदित्य एक और इसी तरह की फिल्म लेकर तैयार है. रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम

की तिकड़ी जल्द ही धमाल मचाती हुई नजर आएगी. तीनों सितारों की यह फिल्म 12 जुलाई को रिलीज होने जा रही है. हालांकि यह फिल्म सिनेमघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर दस्त देगी. काकुड़ा 12 जुलाई से जी5 पर स्ट्रीम की जाएगी. सोनाक्षी सिन्हा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी इस अपकमिंग फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है. निर्देशक आदित्य सरपोतदार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म काकुड़ा के ट्रेलर को शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा है कि, खुलेगा रतोडी का राज और क्या है काकुड़ा का श्राप. अब हर मंगलवार, शाम साढ़े सात बजे, दरवाजा खोलके रखना, क्योंकि काकुड़ा आ रहा है.

टीवी एक्ट्रेस निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन पर की खुलकर बात

टीवी एक्ट्रेस निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन से जूझने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि टीवी शो छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने और अकेलेपन ने उन्हें परेशान कर दिया था। अपनी यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा, डिप्रेशन से जूझना मेरे जीवन में एक बड़ी चुनौती रही है। छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने के कारण मुझे बर्नआउट एंग्जायटी और डिप्रेशन का सामना करना पड़ा, साथ ही निजी जीवन में अकेलेपन का सामना करना पड़ा। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 का हिस्सा रही निम्रत ने कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में कभी भी डिप्रेशन का सामना नहीं किया। उन्होंने कहा, मैंने डिप्रेशन के पता चलने के बाद 40 दिन का ब्रेक लेने के बावजूद काम करना जारी रखा और एंटीडिप्रेसेंट लेना शुरू कर दिया। एक साल बाद मैंने होम्योपैथी पर स्विच कर लिया। बिग बॉस सीजन 16 में प्रवेश करने से लगभग एक महीने पहले मैंने दवा लेना बंद कर दिया। निम्रत ने कहा कि मेरे लिए काम ढूंढना कभी मुश्किल नहीं रहा। मुझे काम पाने के लिए कभी संघर्ष नहीं करना पड़ा। वास्तव में, मैं अपने टेलीविजन करियर के शिखर पर थी। भले ही दुनिया मुझे विजेता के रूप में न देखे, लेकिन मेरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत जीत मेरे शरीर में साल भर में आए बदलावों से मानसिक और शारीरिक रूप से उबरना था। एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। 2018 में उन्हें फेमिना मिस मणिपुर का ताज पहनाया गया। इसके बाद वह बी प्राक के मस्तानी नामक एक संगीत वीडियो में नजर आईं, जिसने उन्हें शोबिज की दुनिया में कदम रखने में मदद की। 2019 में उन्होंने लोकप्रिय डेली सोप छोटी सरदारनी में काम करना शुरू किया, जिसने उन्हें फिर से सुर्खियों में लाने में मदद की। अभिनेत्री को बाद में सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस 16 में देखा गया।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी का आंधी जारी, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 700 करोड़ की ओर

नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन एपिक फिल्म कल्कि 2898 एडी ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर अपनी धमाकेदार कमाई से धमाल मचा दिया है. प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन की तिकड़ी का जादू हर किसी को दीवाना कर दिया है. फिल्म ने दुनिया भर में 680 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की. फिल्म अब 700 करोड़ के आंकड़े की ओर बढ़ रही है. सोमवार को कलेक्शन में 60 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, फिल्म ने मंगलवार को अपनी गति बनाए रखने में कामयाबी हासिल की है. सैकनिल्क के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने अपने छठे दिन सभी भाषाओं में 27.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिसमें हिंदी (14 करोड़ रुपये), तेलुगु (11.2 करोड़ रुपये), तमिल (1.2 करोड़ रुपये), कन्नड़ (0.25 करोड़ रुपये) और मलयालम (1.2 करोड़ रुपये) का योगदान रहा

है. 6 दिनों के बाद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन लगभग 371 करोड़ रुपये हो गया है. छह दिनों की कमाई में तेलुगु भाषी क्षेत्रों का सबसे बड़ा योगदान 193.2 करोड़ रुपये है. हिंदी दूसरे सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है, जिसने 142 करोड़ रुपये कमाए हैं. तमिल, कन्नड़ और मलयालम बाजारों में क्रमश: 21 करोड़ रुपये, 2.4 करोड़ रुपये और 12.4 करोड़ रुपये कमाए है. उधर, दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने के साथ ही यह साल की पहली ब्लॉकबस्टर बनने की ओर अग्रसर है. वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित इस फिल्म में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण इस सप्ताहांत वृद्धि देखी जाएगी। 600 करोड़ रुपये के कथित बजट के साथ बनी कल्कि 2898 विज्ञापन में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे कई सितारे शामिल हैं। फिल्म को ना सिर्फ रीव्यूअर्स से प्रंशसा मिल रही है, बल्कि फिल्म बिरादरी से भी काफी तारीफें मिल रही हैं. हाल ही में बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, वरुण धवन, अर्जुन कपूर, जवान डायरेक्टर एटली ने फिल्म की वाहवाही की है.